जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 | वर्षः 50 | संख्याः 289 | प्रभात | कोटा, शनिवार 2 अगस्त, 2025 | कोटा/24/2012-14 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

'चाहे आप रिटायर हो जाएं या घर बैठ जाएं, हम आपको बख्शेंगे नहीं'

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को सार्वजनिक धमकी दी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, अगस्त। एक तीखे बयान में, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह भाजपा के लिए वोट चुरा रहा है।

इसे देशद्रोह करार देते हुए, राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस द्वारा की गई जांच और सामने आए खुलासे एक "परमाणु बम" की तरह फटेंगे और इन धमाकों के असर में चुनाव आयोग कहीं भी दिखाई नहीं देगा।

इसी के साथ, उन्होंने स्पष्ट और कड़े शब्दों में यह चेतावनी जारी की कि चुनाव आयोग में ऊपर से लेकर नीचे तक जो भी भाजपा के लिए वोट चोरी में शामिल पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा, क्योंकि यह देश के खिलाफ राष्ट्रद्रोह के समान है। उन्होंने कहा, "आप कहीं भी हों, सेवानिवृत्त हों या न हों, हम आपको ढूंढ निकालेंगे।"

- राहुल ने कहा, आपने मतदाता सूचियों से नाम काटने का अगर काम किया है तो वह देशद्रोह के समान है और इसे माफ नहीं किया जा सकता।
- राहुल ने इस संदर्भ में आगे कहा कि "वोटों की चोरी" को पकड़ने में चुनाव आयोग ने हमारे साथ सहयोग नहीं किया, अतः हमने हमारे साधनों से गत छः महीने में जाँच की है, वोटों की चोरी के प्रकरण की तथा जो जानकारी हमें मिली है, वह विस्फोटक है, "एटम बम" की तरह, और वह धमाका चुनाव आयोग को खत्म कर देगा।
- राहुल ने कहा कि यह विस्फोटक जानकारी पूरी तरह संजोकर, एक सप्ताह में अपनी कर्नाटक यात्रा के दौरान उजागर करेंगे।
- चुनाव आयोग ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, राहुल गांधी के आरोप आधारहीन व गैरजिम्मेदाराना हैं। अतः चुनाव आयोग के अधिकारी राहुल गांधी के वक्तव्य को तवज्जो नहीं दें तथा जायज़ व पारदर्शी तरीके से अपना काम करते रहें।

विपक्ष के नेता ने कहा कि उनकी पार्टी को शुरू में मध्य प्रदेश में संदेह हुआ था, और महाराष्ट्र में यह और पुख्ता हो गया, जहाँ कुछ महीनों के भीतर एक करोड़ नए मतदाता जोड़े गए।

उन्होंने कहा, "चूंकि चुनाव आयोग ने हमारा समर्थन या सहयोग नहीं किया, इसलिए हमने खुद के स्तर पर जाँच की। जो हमें मिला, वह एक परमाणु बम की तरह है; एक बार जब यह फट जाएगा, तो चुनाव आयोग कहीं भी दिखाई नहीं देगा।"

गांधी ने कहा कि पार्टी ने गहराई और बारीकी से जाँच की। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी को पूरे विस्तृत विवरण तक पहुँचने में लगभग छह महीने लगे, और निष्कर्षों का खुलासा बहुत जल्द किया जाएगा। उन्होंने कहा, पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग किस तरह भाजपा के पक्ष में वोटों का हेरफेर कर रहा है।

इस तरह के तीखे हमले के बाद, बचाव की मुद्रा में आए चुनाव आयोग के पास प्रतिक्रिया देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

चुनाव आयोग ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आरोपों को "आधारहीन" और "गैर-जिम्मेदाराना" कहकर खारिज कर दिया। आयोग ने एक बयान में कहा, "दैनिक धमकियों और आधारहीन आरोपों के बावजूद, आयोग सभी चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एसटी वर्ग की बेटियों को समान अधिकार से वंचित रखना अनुचित'

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसटी वर्ग की महिला के पैतृक संपत्ति में अधिकार से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में कहा है कि आजादी के सात दशक बाद भी एसटी समुदाय की बेटियों को समान अधिकारों से वंचित करना अनुचित है। ऐसे में यह जरूरी है कि भारत सरकार हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 2(2) के प्रावधानों की समीक्षा करे

- हाई कोर्ट ने केन्द्र सरकार से, जरुरत हो तो कानून में संशोधन करने को कहा।

और यदि जरूरत हो तो प्रावधानों में संशोधन करे। अदालत ने आशा जताई है कि केन्द्र सरकार इस मामले में विचार करेगी और सुप्रीम कोर्ट की ओर से कमला नेती के मामले में निर्देश के आधार पर उचित निर्णय लेगी। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने ये आदेश मन्नी देवी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये। वहीं, अदालत ने याचिकाकर्ता से जुड़े मामले में प्रतिवादी पक्ष की ओर से सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत पेश अर्जी को खारिज करते हुए एसडीओ को निर्देश दिए हैं कि वे दो साल में लंबित वाद का निस्तारण करें।

अदालत ने कहा कि भारतीय संविधान के प्रावधान स्पष्ट रूप से दर्शाते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अन्य देशों को अब अमेरिका की महँगाई का भार वहन करना पड़ेगा'

ट्रंप का दावा काफी गलत साबित हुआ टैरिफ बढ़ाने के बारे में

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 1 अगस्त। अमेरिका में 1 अगस्त का दिन है, और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के नए शुल्क प्रभावी हो रहे हैं, ऐसे में अमेरिकी अर्थव्यवस्था एक नई सच्चाई से हतप्रभ नज़र आ रहा है।

शेयरों में व्यापक गिरावट आई है और नए आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है।

अभी जारी किए गए जुलाई के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका में केवल 73,000 नई नौकरियां जोड़ी गईं, जो अब तक की सबसे कम हैं। नई नौकरियों का सृजन, जो अर्थव्यवस्था की गति का एक प्रमुख पैमाना है, कुछ हद तक धीमा हो रहा था और अब इसके परिणाम सामने आ रहे हैं।

अमेरिका आमूलचूल परिवर्तन की नई वास्तविकता के प्रति जाग रहा है। एक मुक्त अर्थव्यवस्था और मुक्त व्यापार का गढ़ रहा अमेरिका अब एक संरक्षणवादी (प्रोटैक्शनिस्ट)

- अमेरिकावासियों को अब महँगी पड़ने लगीं वो वस्तुएँ, जो वो सदा से आसानी से सस्ते दामों में खरीदने के आदी हो गये थे।
- उदाहरण के लिए, फ्रांस व जर्मनी की वाइन्स व स्विटज़रलैंड की लग्ज़री घड़ियाँ।
- अमेरिका की इकॉनमी भी "स्लोडाउन" के दौर में फंसती जा रही है। उदाहरण के लिए, जुलाई माह के आंकड़ों के अनुसार, केवल 73,000 नये रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं, जो कई दशकों में सबसे कम है।
- भारत में निर्मित सामान लगभग गायब ही हो जाएगा, अमेरिका के मार्केट में। क्योंकि 25 प्रतिशत का टैरिफ व ऊपर से रूस से ऑयल खरीदने के कारण लगी पेनल्टी के कारण भारत का माल अन्य देशों की तुलना में महँगा हो जायेगा।

अर्थव्यवस्था की ओर रुख कर रहा है। इसने न केवल अमेरिका के करीबी सहयोगियों को निराश किया है, बल्कि आम अमेरिकियों को भी निराश कर रहा है।

डॉनल्ड ट्रम्प के इस दावे, कि अन्य देशों को इसकी कीमत चुकानी होगी, के विपरीत यह एहसास हो रहा है कि अमेरिका के लोगों को उन कई उत्पादों के लिए अधिक भुगतान करना होगा, जिनकी उन्हें आदत है। बेशक, इस मार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोमवार, बुधवार व गुरुवार को "इन्टर्न्स एंट्री" वर्जित होगी सुप्रीम कोर्ट में

सुप्रीम कोर्ट में यह नई व्यवस्था, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के आग्रह पर की गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कानून के इन्टर्न्स को सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को कोर्टरूम में प्रवेश से रोक दिया है, जो कि विविध मामलों की सुनवाई के दिन होते हैं।

यह कदम सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अनुरोध के बाद उठाया गया है।

एक विज्ञप्ति में कहा गया, "सक्षम अधिकारियों ने विविध प्रकार के केसों की सुनवाई के दिनों में, यानी सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को कानून के इन्टर्न्स के कोर्टरूम के अंदर प्रवेश को प्रतिबंधित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा किए गए अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।"

- वरिष्ठ व प्रैक्टिसिंग वकीलों की शिकायत थी कि "इन्टर्न्स " की भारी भीड़ के कारण वकीलों को एक कोर्ट से दूसरे कोर्ट जाने में भी दिक्कत हो रही थी।
- साथ ही इन प्रशिक्षु इन्टर्न्स की उपस्थिति के कारण न्यायालय में सभी सीटें भर जाती थीं तथा इन्टर्न्स आग्रह करने के बाद भी इन सीटों को खाली करने को तैयार नहीं होते थे तथा प्रैक्टिसिंग वकीलों को काफी समय खड़ा रहना पड़ता था।

कानून के इन्टर्न्स को नियमित सुनवाई के दिनों, यानी बुधवार और गुरुवार को कोर्ट परिसर और गलियारों में जाने की अनुमति होगी।

बार एसोसिएशन ने पहले भी कोर्ट को एक पत्र लिखकर कानून के इन्टर्न्स पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था, जिसमें कोर्ट के अंदर भीड़भाड़ का हवाला दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा था, "यह देखा गया है कि सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को कोर्टरूम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अरूण चतुर्वेदी राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष बने

अरूण चतुर्वेदी

जयपुर। प्रदेश में निकाय चुनाव से पहले भजनलाल सरकार ने बड़ी राजनीतिक नियुक्ति की है। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री अरुण चतुर्वेदी को राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया है।

- आने वाले दिनों में और राजनैतिक नियुक्तियाँ होने की संभावना है।

अब माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जल्द ही और राजनैतिक नियुक्तियां होने की संभावना है। इसमें प्रदेश भाजपा के कई बड़े नेताओं के नाम शामिल होने की संभावना है।

9 सितम्बर को उपराष्ट्रपति का चुनाव होगा

चुनाव आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 21 अगस्त तक पर्चा दाखिल किया जा सकेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, अगस्त। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव 9 सितंबर को होगा और परिणाम भी उसी दिन घोषित कर दिया जाएगा।

यह चुनाव उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा पिछले महीने अचानक इस्तीफा देने के कारण जरूरी हो गया है। इस चुनाव की अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी और नामांकन भरने की अंतिम तारीख 21 अगस्त होगी।

भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल (इलैक्टोरल कॉलेज) द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के सभी निर्वाचित और मनोनीत सदस्य तथा लोकसभा के सभी निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

धनखड़ ने 21 जुलाई को अपने कार्यकाल के समाप्त होने से लगभग दो साल पहले इस्तीफा दे दिया। उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दिया, लेकिन सूत्रों का कहना है कि केन्द्र सरकार, जिसका वे कभी मजबूती के साथ बचाव किया करते थे, के साथ उनके रिश्तों में तनाव आने के साथ ही, दोनों के बीच परस्पर विश्वास भी समाप्त हो गया था।

- चुनाव आयोग के अनुसार, चुनाव में राज्यसभा व लोकसभा के सभी सदस्य मतदान कर सकेंगे, तथा एनडीए के दोनों सदनों में 422 सदस्य हैं तथा चुनाव जीतने के लिए 391 वोट की ही आवश्यकता है।
- अतः एनडीए के उम्मीदवार का जीतना लगभग तय ही माना जा रहा है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 68 की धारा 2 के अनुसार, यदि उपराष्ट्रपति पद, उपराष्ट्रपति की मृत्यु, इस्तीफा, हटाए जाने या किसी अन्य कारण से रिक्त हो जाये, तो उस पद को "यथाशीघ्र" भरने के लिए चुनाव कराना आवश्यक है। नए निर्वाचित व्यक्ति को कार्यभार संभालने की तिथि से पूरे पाँच साल का कार्यकाल मिलेगा।

इस चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) को स्पष्ट बढ़त हासिल है।

लोकसभा की कुल 543 में से एक सीट (बसीरहाट, पश्चिम बंगाल) खाली है, जबकि राज्यसभा की 245 सीटों में से पाँच रिक्त हैं। राज्यसभा की 5 रिक्त सीटों में से चार सीटें जम्मू-कश्मीर से और एक पंजाब से है। पंजाब की सीट आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा के इस्तीफे से खाली हुई, जो हाल ही में उपचुनाव में विधानसभा के लिए चुन लिये गये गए।

दोनों सदनों की कुल प्रभावी सदस्य संख्या 782 है और यदि सभी सदस्य मतदान करें, तो बहुमत पाने के लिये 391 वोटों की जरूरत होगी।

लोकसभा में एनडीए के पास 542 में से 293 सदस्यों का समर्थन है। राज्यसभा (प्रभावी संख्या 240) में एनडीए के पास 129 सदस्यों का समर्थन है, यह मानते हुये कि सभी मनोनीत सदस्य एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे।

इस प्रकार, सत्तारूढ़ गठबंधन के पास कुल मिलाकर 422 सांसदों का समर्थन है।

एसआई भर्ती पेपर लीक : सरकार 4 अगस्त को पक्ष रखेगी

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट में एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में याचिकाकर्ता पक्ष की बहस पूरी हो गई है। अदालत ने मामले की सुनवाई 4 अगस्त को रखी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश कैलाश चन्द व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। आगामी सुनवाई पर राज्य सरकार की ओर से अपना पक्ष रखा जाएगा।

सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरपी सिंह और अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने भर्ती को रद्द करने की गुहार करते हुए याचिका दायर की है। याचिका में यह प्रार्थना नहीं है कि भर्ती को लेकर राज्य सरकार कोई

- याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने अपनी बहस पूरी की।

निर्णय ले। ऐसे में राज्य सरकार की ओर से भर्ती रद्द नहीं करने का निर्णय लेने के आधार पर ही याचिका सारहीन नहीं हो जाती है। इसके अलावा, संविधान के अनुच्छेद 226 में हाईकोर्ट को व्यापक शक्तियां प्राप्त है और वह याचिका में की गई प्रार्थना से भी आगे बढकर फैसला दे सकता है। एसओजी की रिपोर्ट मिलने के स्त्रोत नहीं बताने की राज्य सरकार की आपत्ति पर याचिकाकर्ता ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि दस्तावेज कहां से मिले, वे सही हैं या नहीं, यह महत्व रखता है। यदि दस्तावेज सही हैं तो हाईकोर्ट को जनहित में उन पर संज्ञान लेना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से बहस पूरी करने के बाद, अदालती समय पूरा होने पर अदालत ने मामले की सुनवाई 4 अगस्त को तय की है।

छात्रसंघ चुनाव-राज्य सरकार 10 दिन में जवाब देगी

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए दस दिन का समय दिया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश

- हाई कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने समय माँगा।

छात्र जय राव की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद अदालत में पेश हुए। उन्होंने मामले में जवाब पेश करने के लिए अदालत से दस दिन का समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1974 से चला आ रहा, 75 बीघा जमीन की अवाप्ति का मामला अब निपटा

अदालत ने जे.एल.एन. मार्ग पर स्थित उक्त भूमि पर मूल पक्षकार के वंशजों का दावा खारिज किया और कहा कि राज्य सरकार ही भूमि का मालिकाना हक रखती है

जयपुर, (कासं)। राजस्थान हाई कोर्ट में झालाना डूंगरी में स्थित एम.एन.आई.टी. के पास स्थित 75 बीघा 15 बिस्वा जमीन के राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण से सम्बन्धित 50 वर्ष से भी अधिक पुराने विवादित मामले में फैसला सुनाया है। मामले में न्यायाधीश अशोक कुमार जैन की अदालत में उक्त भूमि पर मालिकाना हक जता रहे पक्षकार, जो स्व. त्रिलोकी नाथ साहनी के वंशज है, उनका दावा अदालत ने खारिज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि टी. एन. साहनी के वंशज भूमि अवाप्ति के लिए राज्य सरकार से 91 लाख रुपये से भी अधिक के मुआवजा मांग रहे है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि राज्य सरकार स्वतंत्र है किसी भी व्यक्ति के खिलाफ अपराधी कार्यवाही जारी करने के लिए, जो इस भूमि की अवाप्ति की प्रक्रिया में आड़े आता है।

इस मामले के संक्षिप्त तथ्यों के अनुसार वर्ष 1955 में, बृजमोहन, जो स्व. रूपनारायण नामक व्यक्ति के नाबालिग बेटे थे, उनके अभिभावक ने, जे.एल.एन. मार्ग के समीप झालाना डूंगर में करीब 188 बीघा 8 बिस्वा जमीन को त्रिलोकी नाथ साहनी को 4 रु. प्रति बीघा पर किराये पर दी थी।

- मूल पक्षकार के वंशजों को 1990 में सिविल जज ने राहत देते हुए आदेश दिये थे कि राज्य सरकार उक्त भूमि अवाप्त किये जाने की एवज में पक्षकारों को प्रति बीघा 40,000 रुपये तथा 30 प्रतिशत क्षतिपूर्ति और 15 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान करे।
- अब हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील पर उक्त आदेश को रद्द कर दिया और यह भी आदेश दिए हैं कि यदि उक्त भूमि को अवाप्त करने और कब्जा लेने की प्रक्रिया में कोई आड़े आता है तो राज्य सरकार उस व्यक्ति विशेष के खिलाफ अपराधिक कार्यवाही शुरू कर सकती है।

इस मामले के जिरह के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि बृजमोहन के निधन के बाद 1, नवम्बर, 1958 को सरकार ने सार्वजनिक कार्यों के लिए ले लिया। अतिरिक्त महाधिवक्ता का कहना है कि इस मामले में मूल पक्षकार त्रिलोकी नाथ साहनी ने 1960 में राजस्व के विभाग के सेटलमेंट अधिकारी के समक्ष उक्त भूमि के सवाईचक घोषित किये जाने के खिलाफ आवेदन दायर किया। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि तहसीलदार ने त्रिलोकीनाथ को घूसपैठिए नहीं मानते हुए, और माफीदार के पट्टे के साथ एक उक्त जमीन पर किरायेदार घोषित कर दिया, हालांकि अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने तहसीलदार के आदेश को राज्य सरकार के अपील पर खारिज कर दिया था, और अपीलेट अदालतों ने भी कलेक्टर के आदेश को सही माना।

विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि वर्ष 1979 में हाईकोर्ट की एक खण्डपीठ ने आदेश पारित करें जिसके तहत सरकार को आदेश दिये गये थे, कि त्रिलोकीनाथ जिस भूमि के कब्जे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

हम देश के नागरिक यह स्वीकार नहीं करेंगे कि विदेशी फर्जी मतदाता, भारत के भाग्य विधाता बनें (भाग-2)

पूर्व में दिनांक 25 जुलाई 2025 के राष्ट्रदूत के अंक में उपरोक्त शीर्षक से एक सम्पादकीय लेख प्रकाशित हुआ। वर्तमान् लेख उस लेख का दूसरा भाग है।

पूर्व के लेख में लेखक ने यह स्पष्ट करने का प्रयत्न किया है कि विशेष सघन निरीक्षण की कार्यवाही में चुनाव आयोग ने यह पाया है कि बिहार की ड्राफ्ट इलेक्ट्रोरल रोल में 66 लाख मतदाताओं ने 22 लाख वे लोग हैं जो मृतक हैं, 36 लाख वे हैं जो अन्य स्थायी स्थानों पर शिफ्ट हो चुके हैं अथवा जिसका कोई अता पता नहीं है। एक लाख ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अन्तिम तिथि तक अपने फार्म भरकर वापिस नहीं किये गये हैं। हाँ इनकी वास्तविक संख्या का पता 1 अगस्त 2025 के बाद स्क्रूटनी समाप्ति पर पता चलेगा। यह भी सच है कि वास्तविक (उाहल्हा) मतदाता के नाम 1 अगस्त 2025 से 1 सितम्बर 2025 के मध्य, जोड़े भी जा सकते हैं। 7 लाख मतदाता जो Multiple Places पर पंजीकृत हैं, उन्हें केवल एक स्थान पर रखा जावेगा।

ये रिट् याचिकायें कई व्यक्तियों अथवा संस्थाओं आदि ने सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की हैं जो जेरकार हैं। मुख्य याचिका एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिवव रिफोर्म की है जिसमें प्रशान्त भूषण सीनियर एडवोकेट पैरवी कर रहे हैं। देश के सभी यशस्वी एडवोकेट इन याचिकाओं में विभिन्न याचिकाओं में पैरवी कर रहे हैं जिनमें मुख्य सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल भी एक हैं। चुनाव आयोग की ओर से पैरवी करने वालों में सीनियर एडवोकेट राकेश द्विवेदी हैं।

जवाब व बहस के दौरान चुनाव आयोग ने माननीय सुप्रीम कोर्ट के समक्ष स्पष्ट किया है कि बिहार राज्य की मतदाता सूची का विशेष सघन निरीक्षण की प्रक्रिया जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21(3) में दिये गये अधिकारों के अन्तर्गत् की जा रही है जो प्रक्रिया विधि सम्मत है। दिनांक 28 जुलाई 2025 की कार्यवाही के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के समय कहा कि अधार कार्ड व ईपीआईसी कार्ड पुनरीक्षण के समय देखे जा सकते हैं, क्योंकि इनके बाबत यह धारणा बनाने का अधिकार है कि वे सही हैं। दिनांक 28 जुलाई 2025 को खण्डपीठ ने स्थगन आदेश देने से इन्कार कर दिया। इसका अर्थ था कि चुनाव आयोग 1 अगस्त 2025 तक अपनी ड्राफ्ट Electoral Roll अपनी यथोनिश्चित तारीख तक प्रकाशित कर सकते हैं।

दिनांक 28 जुलाई 2025 की केस की तारीख दिनांक 29 जुलाई, 2025 को कुछ देर सुनवाई के बाद स्थगित कर दी गई, क्योंकि खण्डपीठ के सदस्य जस्टिस सूर्यकान्त उस दिन एक अन्य प्रशासनिक कार्य में व्यस्त थे। खण्डपीठ के दूसरे न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची हैं। दिनांक 28.07.2025 को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मसोदा (ड्राफ्ट) मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक लगाने से मना कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि वह चुनाव आयोग की विशेष सघन पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक बार में अन्तिम निर्णय करेगा।

दिनांक 28.07.2025 की सुनवाई के दौरान खण्डपीठ ने दो मुख्य सुझाव दिये वे इस प्रकार हैं:-

(1) जस्टिस सूर्यकान्त ने सुझाव दिया कि व्यापक रूप से निष्कासन के बजाय व्यापक रूप से समावेश की दिशा में काम होना चाहिये।

(2) खण्डपीठ ने चुनाव आयोग को यह निर्देश दिया कि वह बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत् आधार व वोटर आई स्वीकार करना जारी रखें। कोर्ट ने कहा जहां तक राशन कार्ड की बात है वे आसानी से नकली बनाये जा सकते हैं। यह भी कहा गया कि कोई भी डोक्यूमेण्ट फर्जी बनाया जा सकता है।

दिनांक 29 जुलाई, 2025 की बहस भी बहुत रोचक रही।

एडीआर के एडवोकेट ने चुनाव आयोग के एडवोकेट के उस स्टेटमेण्ट की ओर खण्डपीठ का ध्यान आकर्षित किया कि जब 65 लाख मतदाताओं ने जब फार्म ही नहीं भरा, क्योंकि वे या तो स्वर्गवासी हो गये अथवा कहीं चले गये तो क्या उन तथाकथित लोगों को पुनः अपना नाम लिस्ट में दाखिल कराने के हेतु कार्यवाही करनी होगी। खण्डपीठ के न्यायाधीश सूर्यकान्त ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है अतः उसकी कार्यशैली कानूनानुसार ही होनी चाहिये और यदि ऐसा नहीं हुआ तो "We are here, we will hear you" keânkeâj Assured किया। यदि तथाकथित मतदाताओं का Mass Exclusion हुआ तो हम उचित कार्यवाही करेंगे। न्यायाधीश बागची ने कहा 15 जीवित व्यक्तियों को जिन्हें मृतक बताया है, उन्हें कोर्ट में पेश करेंगे तो हम विचार करेंगे। चुनाव आयोग के सीनियर एडवोकेट राकेश स्थिति को स्पष्ट करते हुये कहा कि ड्राफ्ट लिस्ट में कोई संशोधन होता है तो मतदाताओं आपत्ति दाखिल करने का और सक्षम अधिकारी को उसे निर्णित करने का अधिकार है।

यह सच है कि चुनाव आयोग को नागरिकता के निर्णय का अधिकार नहीं है और न वह स्वंय यह मानता है, किन्तु उसे यह देखना आवश्यक है कि जिस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में है, वह भारत का नागरिक है या नहीं और वह वही डोक्यूमेन्ट मांग रहा है जो नागरिकता के लिये आवश्यक है।

खण्डपीठ ने सुनवाई के बाद 12-13 अगस्त 2025 की तारीख अन्तिम सुनवाई के लिये नियत कर दी।

इस प्रकार इस प्रसंग में दिनांक 12-13 अगस्त 2025 को बहस होगी। इन दिनों दोनों पक्षों के सीनियर एडवोकेट्स ने जो बहस की, जो आपत्तियाँ उठाई तथा जो विशेष आपत्तियाँ रिट् याचिकाओं तथा चुनाव आयोग ने उठाई हैं, हम यदि मंथन करें तो निम्नलिखित Issues पर बहस हो सकती है:-

(1) चूंकि संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिक को प्राप्त है और जो व्यक्ति संविधान के अनुच्छेद 5(क) के अनुवार भारत में जन्मा था, (ख) जिसके माता-पिता में से कोई भारत में जन्मा था या (ग) भारत के राज्य क्षेत्र में अधिवासी है तथा जो प्रारम्भ से ठीक पहले कम से कम पांच वर्ष तक भारत के राज्य क्षेत्र में साधारण तौर से निवासी रहा है, भारत का नागरिक होगा और अनुच्छेद 6 से 11 के अनुसार जिसने भारत की नागरिकता प्राप्त की है, वही व्यक्ति मतदान कर सकता है। इस प्रकार नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार के लोग जो वहां के निवासी हैं मतदान के अधिकारी नहीं हैं। इस आधार पर उनके डोमीसाइल सर्टिफिकेट, आधार कार्ड व राशन कार्ड जो उन्होंने प्राप्त किये हैं वे फर्जी हैं।

(2) सुप्रीम कोर्ट अथवा हाईकोर्ट में वही व्यक्ति रिट् याचिका दायर कर सकता है जो भारत का नागरिक है और जिसे संविधान के चेप्टर -III के अधिकार हैं जो याचिकायें सुप्रीम कोर्ट में दायर की हैं पीआईएल हैं और ऐसे व्यक्तियों की ओर से हैं जो देश के नागरिक नहीं हैं अथवा जीवित ही नहीं हैं अथवा अन्य राज्यों में चले गये हैं यानी इनका सम्बन्ध चेप्टर -III के अधिकारों से नहीं है।

(3) चूंकि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसे Electoral Roll के बाबत अधीक्षण निर्देशन और नियंत्रण के पूर्ण अधिकार प्राप्त हैं अतः ऐसी संस्था के विरूद्ध रिट् याचिकायें जो आधार याचिकाओं में दिये हैं, उनके बाबत हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है, क्योंकि Electoral का विषय जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अनुसार है।

(4) चुनाव आयोग ने इस विषय को काफी गंभीर माना है। उसका मानना है कि यदि उसके अधिकारियों ने विशेष सघन निरीक्षण की कार्यवाही में नाम मतदाता सूची से हटा दिया है वह नागरिक मतदाता है, उसे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 व नियमों के अनुसार अपील का अधिकार है।

(5) आधार कार्ड व राशनकार्ड आदि पब्लिक डोक्यूमेन्टस हैं तो भी ये नागरिकता साबित करने के हेतु सारभूत व रेलेवेन्ट नहीं है।

(6) बंगाल, राजस्थान आदि राज्यों में भी चुनाव होने जा रहे हैं अतः यह वाद विषय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जनहित में शीघ्राति निर्णित होना आवश्यक है। विषय गम्भीर है अतः इस केस को संवैधानिक पीठ द्वारा निर्णित किये जाने के बाबत भी विचार होना आवश्यक है।

(7) यह सच है कि चुनाव आयोग को नागरिकता के निर्णय का अधिकार नहीं है और न वह स्वंय यह मानता है, किन्तु उसे यह देखना आवश्यक है कि जिस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में है, वह भारत का नागरिक है या नहीं और वह वही डोक्यूमेन्ट मांग रहा है जो नागरिकता के लिये आवश्यक है।

दिनांक 01.08.2025 को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता पुनरीक्षण अभियान की पहली ड्रफ्ट लिस्ट जारी की है। इसे अपने अधिकारिक वेबसाइट पर सांय 3 बजे अपलोड किया गया है। सभी राजनीतिक पार्टियों को इसकी कॉपी भेजी गई है। इस लिस्ट में नये नाम जोड़े गये हैं। लोगों के नाम काटे भी गये हैं। 20 लाख से अधिक के नाम काटे गये हैं, जिन्हें मृत होना पाया गया है।

चुनाव आयोग ने सूचित किया है कि सभी ऐसे लोग अथवा उसने परिवार जन, जिनके नाम नहीं हैं वे फार्म भरकर बीएलओ अथवा समक्ष अधिकारी को भेज दें, कानूनानुसार सुनवाई कर जाँच की जावेगी और यदि उन्हें मतदान का अधिकारी पाया गया तो उनके नाम जोड़ दिये जावेंगे। 1 सितम्बर 2025 तक संशोधन कराने का अवसर दिया है। 8 लाख ऐसे मतदाता हैं, जिनके नाम दो जगह पर हैं, उन्हें एक जगह वोटे देने का अधिकार होगा। कई ऐसे लोग हैं, जो अपना गांव (स्थान) छोड़कर चले गये हैं। कई लाख ऐसे हैं जो बांग्लादेश व म्यांमार के नागरिक हैं। जाँच का काम जारी है।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

टैरिफ़ का जाल क्या भारत का निर्यात संकट वास्तविक है

सुनील दत्त गोयल

जब डोनाल्ड ट्रम्प ने 'राष्ट्रीय आपातकाल' का हवाला देते हुए भारतीय निर्यात पर 25-26 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो प्रतिक्रिया तेज़ थी: बाज़ारों में अफरा-तफरी मच गई, निर्यातकों ने राहत की माँग की, और टिप्पणीकारों ने भारत को हाशिये पर बता दिया। लेकिन टैरिफ अस्तित्व का ख़तरा नहीं हैं। भारत की अर्थव्यवस्था-जो 80 प्रतिशत घरेलू माँग पर निर्भर है-सालाना निर्यात घाटे में 7 अरब डॉलर का नुकसान झेल सकती है। असली ख़तरा इस बात में है कि भारत इस पर कैसी प्रतिक्रिया देता है। अगर वह दबाव में ढिलाई बरतता है, तो इसके परिणाम व्यापार से कहीं आगे तक जाएँगे। ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स ($21 अरब निर्यात, 27 प्रतिशत अमेरिका को) को 4-5 प्रतिशत मार्जिन का नुकसान हो रहा है।

अगर हीरे पर छूट खत्म हो जाती है, तो रत्न और आभूषण ($8.5 अरब निर्यात) को अपना 30 प्रतिशत अमेरिकी बाज़ार हिस्सा खोने का ख़तरा है। कपड़ा उद्योग को टैरिफ़-लाभ वाले वियतनाम और बांग्लादेश से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे गुजरात और तमिलनाडु में रोज़गार ख़तरे में हैं।

कृषि और मत्स्य पालन पर 56 प्रतिशत तक टैरिफ लग सकते हैं। फिर भी, ये नुकसान, चाहे कितने भी कष्टदायक क्यों न हों, भारत को कमज़ोर नहीं करते। दवाइयों को छूट दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स पर टैरिफ 'मेक इन इंडिया' को और भी तेज़ कर सकते हैं। भारत की अमेरिका पर निर्यात निर्भरता जीडीपी का केवल 2.2 प्रतिशत है-वियतनाम के 25 प्रतिशत की तुलना में नगण्य।

अगर भारत विरोध करता है, तो वह 2026 के अमेरिकी मध्यावधि चुनावों तक बातचीत को आगे बढ़ा सकता है, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के बाज़ारों में विविधता ला सकता है, और रूसी तेल का प्रवाह जारी रख सकता है। लेकिन अगर वह पीछे हटता है, तो उसे संरचनात्मक पराजय का खतरा है। अगर भारत पीछे हटता है तो क्या होगा

कृषि क्षेत्र में आत्मसमर्पण:

टैरिफ में कटौती के लिए, भारत पर अपने डेयरी बाज़ार को अमेरिकी कृषि व्यवसाय के लिए खोलने या जीएमओ फसलों को स्वीकार करने के लिए दबाव डाला जा सकता है। इससे ग्रामीण किसान-भारत का सबसे बड़ा मतदाता समूह-बर्बाद हो जाएँगे और राजनीतिक अशांति फैल जाएगी। एक बार अनुमति मिल जाने के बाद, ऐसी पहुँच को वापस लेना असंभव है।

प्रौद्योगिकी पर निर्भरता:

अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुँच से जुड़े समझौते के साथ कुछ शर्तें भी जुड़ी हो सकती हैं-रूसी रक्षा खरीद पर प्रतिबंध या स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अर्धचालक कार्यक्रमों पर सीमाएँ। इससे भारत वाशिंगटन की आपूर्ति श्रृंखलाओं में बंद हो जाएगा, जिससे उसकी रणनीतिक स्वायत्तता कमज़ोर हो जाएगी।

रूसी ऊर्जा प्रतिबंध:

अमेरिकी दबाव में, भारत को रूस से रियायती तेल खरीद में कटौती करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे घरेलू ऊर्जा लागत बढ़ेगी और मुद्रास्फीति से बचाव का एक बड़ा कवच भी खत्म हो जाएगा। इससे उस रणनीतिक साझेदारी को भी नुकसान पहुँचेगा जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को बढ़त दिलाई थी।

और माँगों की मिसाल:

जैसे ही भारत किसी एक क्षेत्र में रियायत देगा, अमेरिका और माँगों पर ज़ोर देगा-जैसे डिजिटल करों में कटौती, जेनेरिक दवाओं पर बौद्धिक संपदा रियायतें, और रक्षा खरीद में पुनर्गठन-जिससे भारत की नीतिगत गुंजाइश कम हो जाएगी।

निवेशक पलायन:

यह कथित आत्मसमर्पण उन निवेशकों को डराएगा जो भारत के स्वतंत्र आर्थिक रुख को महत्व देते हैं। चीन के विकल्प के रूप में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने के बजाय, भारत को अमेरिकी व्यापार नीति के विस्तार के रूप में देखे जाने का जोखिम है। संक्षेप में, अभी पलक झपकाना टैरिफ को एक बातचीत योग्य अड़चन से एक स्थायी रणनीतिक लगाम में बदल देगा।

भारत के पास अभी भी उत्तोलन क्यों है

प्रतिद्वंद्वी देशों की तुलना में कम टैरिफ दर: भारत की 26 प्रतिशत दर अभी भी चीन के 54 प्रतिशत या वियतनाम के 46 प्रतिशत की तुलना में कम दंडात्मक है।

विविध बाजार: यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के मुक्त व्यापार समझौते व्यापार, विशेष रूप से दवा और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र को पुनर्निर्देशित कर सकते हैं।

ऊर्जा कवच: रूस की तेल बचत-जो सालाना अरबों डॉलर की है-भारत को अपनी ताकत से बातचीत करने का समय देती है।

अमेरिका में कानूनी अराजकता: एक संघीय न्यायालय ने पहले ही ट्रम्प की टैरिफ घोषणा को गैरकानूनी माना है, हालाँकि अपील लंबित रहने तक प्रवर्तन जारी है। यह अनिश्चितता प्रतीक्षा और निगरानी की रणनीति का पक्षधर है।

रणनीतिक खेल

भारत को चाहिए: कृषि रियायतों को हर कीमत पर अस्वीकार करें।

मध्यावधि राजनीति के उत्तोलन को बदलने तक अमेरिकी वार्ता को लंबा खींचें।

यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते में तेजी लाएँ, गैर-अमेरिकी बाजारों का निर्माण करें। रूसी रक्षा और ऊर्जा संबंधों को दोगुना करें, स्वायत्तता को मज़बूत करें। कपड़ा, आभूषण और ऑटो पार्ट्स क्षेत्र के एमएसएमई को ऋण और कर राहत देकर घरेलू निर्यातकों को मज़बूत करें।

निष्कर्ष: झिझक की कीमत

खतरा ट्रंप के टैरिफ़ नहीं हैं-बल्कि भारत द्वारा उनसे बचने के लिए अपनी स्वायत्तता का त्याग करना है। अगर नई दिल्ली दृढ़ रहती है, तो टैरिफ़ पर बातचीत कम हो जाएगी, बाज़ार विविधीकृत होंगे, और अमेरिकी दबाव कम होगा। लेकिन अगर वह डेयरी, जीएमओ फ़सलों या रूस के मामले में झिझकती है-तो वह न सिर्फ़ यह व्यापार युद्ध हारेगी। बल्कि अगले युद्ध से लड़ने की अपनी क्षमता भी खो देगी। यह टैरिफ़ का मामला नहीं है। यह संप्रभुता का मामला है।

-रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

शिक्षक बने पर्यावरण प्रहरी: बूंदी के मंडावरा के सरकारी स्कूल में नवाचार से सूरत बदली

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मंडावरा के शिक्षकों ने अपने प्रयास और जन भागीदारी से एक ऊबड़-खाबड़ टीले को सुरम्य और हरे-भरे मरु उद्यान में बदल दिया है

अनुप्रिया

विद्यालय में अभियान से पूर्व की फोटो।

अभियान के बाद की फोटो, जिससे स्पष्ट पता चलता है कि जन भागीदारी और जुनून ने कैसे इस अभियान को पूर्ण सफल बनाया है।

जब राष्ट्र निर्माताओं का संकल्प और जुनून सरकार की प्रतिबद्धता और जवाबदेहिता से मिलता है तो सुशासन की छाया में बंजर जमीन भी हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हरियालो राजस्थान की प्रतिबद्धता को बूंदी जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मंडावरा के कर्मयोगी शिक्षकों ने धरातल पर साकार कर दिया हैं। इन शिक्षकों ने अपने भागीरथी प्रयास और जन-भागीदारी की शक्ति से एक ऊबड़-खाबड़ टीले को सुरम्य और हरे-भरे मरुद्यान में बदल दिया है, जो आज पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणा-पुंज बन गया हैं।

संकल्प से सृजन की यात्रा- भेरूपुरा बरड़ पंचायत के गाँव मंडावरा स्थित यह विद्यालय कुछ वर्ष पूर्व तक एक साधारण टीले पर बना था। प्रधानाचार्य किशन लाल मीणा और शिक्षक गोपाल मीणा की दूरदर्शी सोच ने इस चुनौती को अवसर में बदलने का बीड़ा उठाया और एक सुनियोजित योजना के साथ इस ज्ञान के मंदिर का कायाकल्प शुरू हुआ। मिट्टी डालकर भूमि को समतल किया गया, पक्की दीवारें बनाकर परिसर को सीढ़ीनुमा स्वरूप दिया और फिर शुरू हुआ हरियाली का मिशन।

नवाचार और सहभागिता का संगम-इस हरित क्रांति में केवल शिक्षक ही नहीं बल्कि विद्यार्थी और ग्रामवासी भी सक्रिय भागीदार बनें। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाने के लिए 'पौधे गोद लेने' की अनूठी परंपरा शुरू की गई, जहाँ हर विद्यार्थी अपने गोद लिए पौधे की सुरक्षा करता है, उसे पानी देता है। विद्यालय में एक बीज बैंक स्थापित किया गया है जो न केवल स्कूल की जरूरतों को पूरा करता है बल्कि ग्रामीणों और आस-पास के अन्य विद्यालयों को भी निःशुल्क पौधे उपलब्ध करवाकर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को विस्तार दे रहा हैं। ग्रामवासी स्वेच्छा से पौधों की देखभाल और सिंचाई की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वर्तमान में विद्यालय परिसर में अपराजिता, पारिजात और मधु कामिनी जैसे सुगंधित फूलों के साथ-साथ अनेक फलदार और छायादार वृक्ष लहलहा रहे हैं, जो हर किसी को आकर्षित करते हैं।

सिर्फ हरियाली नहीं, समग्र विकास का मॉडल-जब शिक्षकों ने अपना समय और श्रम दिया तो गांव का माहौल बदल गया। सामुदायिक भागीदारी ने नया आकार लिया, पौधारोपण और रखरखाव में स्थानीय आवश्यकता और भौगोलिक मापदंड के हिसाब से नीति बनाई गई, फिजिकल ऑडिट शुरू हुई, पारदर्शिता मानक मूल्य बन गया। आर्थिक सहयोग के एक-एक पैसे का हिसाब रखा जाने लगा जिससे भागीदारों को उत्साह मिला।

स्थानीय समुदाय में इस बगीचे और विद्यालय के प्रति स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना बढ़ी जिससे शैक्षणिक गतिविधियों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ।

पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ यह विद्यालय शैक्षिक और भौतिक विकास के हर मानदंड पर खरा उतरता है। बंदरों से बचाव के लिए वायर फेंसिंग, स्वच्छ पेयजल के लिए आरओ और वाटर कूलर, निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक कंप्यूटर लैब, डिजिटल क्लासरूम, समृद्ध पुस्तकालय और दूधिया रोशनी में वॉलीबॉल खेलने की सुविधा वाला खेल मैदान इसे एक आदर्श विद्यालय बनाते हैं।

अनुप्रिया, पीआरओ, बूंदी।

बीकानेर में 11 जर्जर स्कूल दूसरे स्कूल में शिफ्ट होंगे

बीकानेर में शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की टीम ने स्कूलों का सर्वे किया

बीकानेर, (निसं)। झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद जर्जर और जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सुरक्षित भवन तलाशे जा रहे हैं। बीकानेर जिले में 11 स्कूलों के विद्यार्थियों की पढ़ाई अब पास के ही दूसरे स्कूलों में होगी।

झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद शिक्षा विभाग की ओर से राज्यभर में जर्जर स्कूलों का सर्वे करवाया जा रहा है। बीकानेर में भी शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की टीम ने अनेक स्कूलों का सर्वे किया है। सर्वे में 11 स्कूल ऐसे सामने आए हैं जहां स्कूल भवन स्थिति खराब है। ऐसे में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत इन स्कूलों को पास के स्कूल में शिफ्ट किया जा रहा है। मुक्ता प्रसाद स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भीम नगर को मुक्ता प्रसाद इंग्लिश मीडियम स्कूल में शिफ्ट किया गया है। यहां अब एक भवन में तीन स्कूलों का संचालन हो रहा है।

पहली पारी में सुबह 7 से 12.30 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल मुक्ता प्रसाद के 350 विद्यार्थियों की कक्षाएं लगाई जा रही हैं। जबकि सेकंड पारी में स्कूल के पांच कमरों में दोपहर 12.30 से 6 बजे तक भीम नगर स्कूल के 250 तथा चार कमरों में राउप्रावि वार्ड नंबर 17 के 137 बच्चों की कक्षाएं लग रही है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पवनपुरी दक्षिण विस्तार में भी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अंबेडकर कॉलोनी और राउप्रावि पवनपुरी को शिफ्ट किया जाएगा। बीकानेर जिले में करीब 32 सरकारी स्कूल किराए की बिल्डिंग में चल रहे हैं। किराए के भवनों में शिक्षा विभाग की ओर से मरम्मत के लिए बजट नहीं दिया जाता है। इसलिए इन स्कूलों की मरम्मत पिछले तीन-चार साल से नहीं हुई है। राउप्रावि कोरियों का बस नंबर स्कूल जर्जर है। इसके लिए भी शिक्षा विभाग नए भवन की तलाश कर रहा है। वहीं इन स्कूलों के मालिक को जर्जर भवनों की रिपेयरिंग के लिए कहा गया है।

राशिफल

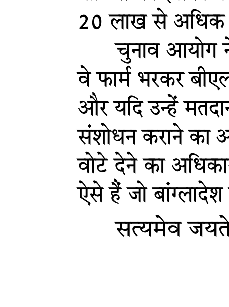

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 2 अगस्त, 2025

सावन मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र प्रातः 6:35 तक, शुक्ल योग रविवार प्रातः 6:24 तक, बवकरण सायं 7:24 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:53 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 4:08 तक है। आज अश्वत्थ मारूती पूजन है। आज अष्टमी तिथि में वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:35 से 9:14 तक, चर 12:33 से 2:12 तक, लाभ-अमृत 2:12 से 5:31 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:55, सूर्यास्त 7:10

मेष
परिवार में व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

वृष
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
माानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कोटा-बून्दी जल परियोजनाओं की समीक्षा की

■ दिल्ली में आयोजित बैठक में बिरला ने कार्यों में तेजी और पारदर्शिता के निर्देश दिए

कोटा, (निसं)। कोटा-बून्दी संसदीय क्षेत्र में जन स्वास्थ्य एवं जल संसाधन से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गति लाई जाए और हर स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित हो।

दिल्ली में आयोजित वर्चुअल बैठक में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, पीएचईडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, कोटा कलेक्टर पीयूष सामरिया, बून्दी कलेक्टर अक्षय गोदारा सहित दोनों जिलों के वरिष्ठ अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े, जबकि लोकसभा सचिवालय के संयुक्त सचिव गौरव गोयल एवं ओएसडी राजेश गोयल बैठक में उपस्थित रहे।

बिरला ने कहा कि सिंचाई और पेयजल से जुड़ी परियोजनाएं आमजन के जीवन से सीधा संबंध रखती हैं, अतः इन कार्यों में किसी भी स्तर पर देरी या लापरवाही अस्वीकार्य होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां कार्य प्रगति पर हैं वहां गति बढ़ाई जाए, और जिन योजनाओं की स्वीकृति या निविदा प्रक्रियाएं लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए।

बैठक में नवनेरा बैराज और परवन बहुउद्देशीय परियोजना को लेकर विशेष चर्चा हुई। बिरला ने नवनेरा में जलभराव को सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि अब सभी 27 गेट्स बंद हो चुके हैं, जिससे यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण शीघ्र पूर्ण हो ताकि परियोजना में कोई व्यवधान न आए। उन्होंने प्रभावित किसानों को समयबद्ध मुआवजा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही, परवन परियोजना के दूसरे चरण के कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

बून्दी जिले में सिंचाई ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए मेज, अरू और कूरेल नदियों पर प्रस्तावित एनीकट और नहर प्रणाली विकास कार्यों की भी समीक्षा हुई। बिरला ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संसाधनों को सशक्त करना और 'हर खेत तक पानी' पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि पांच करोड़ रुपये से कम लागत वाली परियोजनाओं को विभागीय स्तर पर शीघ्र स्वीकृत किया जाए ताकि कार्यों में अनावश्यक देरी न हो। गुढ़ा मध्यम सिंचाई परियोजना, बटावदी मुख्य नहर, डाबी टैंक और चाकन बांध से जुड़े विकास कार्यों की डीपीआर तथा बजट स्वीकृति प्रक्रियाओं को भी शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए।

शहरी और ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए बिरला ने रामगंजमंडी, सांगोद, इटावा, कैथून और सुल्तानपुर में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं की प्रगति पर संतोष जताया, साथ ही उनके समयबद्ध निष्पादन पर जोर दिया।

बैठक में बताया गया कि कोटा उत्तर और दक्षिण में पेयजल आपूर्ति से जुड़ी निविदाएं दोबारा जारी की गई हैं, जबकि हिण्डोली-नैनवां वृहद पेयजल परियोजना का 72 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

गरड़दा और नवनेरा पेयजल योजनाओं के लिए वन विभाग व वन्यजीव विभाग की स्वीकृति प्रक्रियाओं पर भी चर्चा हुई। बिरला ने निर्देश दिए कि पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी अड़चनों को प्राथमिकता से सुलझाया जाए। बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ने जल संसाधन और पेयजल ढांचे को समावेशी क्षेत्रीय विकास की आधारशिला बताते हुए अधिकारियों को समन्वय, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा, वन विभाग की स्वीकृति और बजट स्वीकृति जैसी प्रक्रियाएं समयबद्ध पूरी की जाएं ताकि किसी भी योजना में बाधा उत्पन्न न हो। बिरला ने निर्देश दिए कि पेयजल आपूर्ति क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक निर्बाध रूप से पहुंचे। अधिकारी सुनिश्चित करें कि किसी भी क्षेत्र में जल संकट न उत्पन्न हो और दीर्घकालिक समाधान के दृष्टिकोण से योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि सभी निर्माणाधीन परियोजनाएं तय समय सीमा में पूर्ण हों और उनकी गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

इसके साथ ही, उन्होंने तालाबों के जीर्णोद्धार और अन्य स्थानीय जल संरचनाओं को भी प्राथमिकता से पूरा करने को कहा।

अवैध मादक पदार्थ अफीम सहित तीन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए सूचना पर जिला झालावाड़ के सुलिया चौकी भवानीमंडी सुनेल रोड पर कार्यवाही करते हुए एक कार को रोककर तलाशी के दौरान कार से अवैध मादक पदार्थ 6.615 किलोग्राम अफीम बरामद की गई एवं तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में कार्यवाही की गई। उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि कोटा के पंजीकरण नम्बर वाली एक स्विफ्ट डिजायर कार अवैध अफीम तस्करी के लिये सुनेल रोड़ से निकलने वाली है। उक्त सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो भवानीमंडी सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई।

ओम बिरला आज से कोटा प्रवास पर

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार को एक दिवसीय प्रवास पर कोटा आएंगे। प्रवास के दौरान वे विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। प्रातः 10 बजे वे मेनाल रेलवे ऑफिसर्स क्लब में आयोजित रेलवे जनसम्पर्क अधिकारियों की संगोष्ठी में भाग लेंगे। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे वे बपावर कृषि मंडी में आयोजित लाड़ली बहना सामूहिक रक्षाबंधन कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के साथ सम्मिलित होंगे।

एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन की साधारण आमसभा का आयोजन

■ आर.के. जैन अध्यक्ष एवं अशोक ढल सचिव बने

रामगंजमण्डी, (निसं)। एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन कोटा ईकाई द्वितीय की साधारण आम सभा एवं पिकनिक का आयोजन कोटा में शुक्रवार को आयोजित किया गया। सभा में कोटा, बांरा, बूंदी एवं झालावाड़ के तीन सौ से अधिक एसबीआई पेंशनर्स एवं परिवाजन ने भाग लिया।

अध्यक्ष आर के जैन द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत किया और सचिव अशोक कुमार ढल द्वारा विगत सत्र की गतिविधियों एवं आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया और सेवा संस्थान की गतिविधियों के बारे में बताया। पिछली बैठक के पश्चात् अस्सी वर्ष पूर्ण कर चुके वरिष्ठ साथियों एवं सभी नये सदस्यों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसबीआई कोटा अंचल प्रशासनिक कार्यालय कोटा के उपमहाप्रबंधक कल्याण गजवेल्लि थे।

विशिष्ट अतिथि सहायक महाप्रबंधक कोटा नवीन लखवानी एवं मुख्य प्रबंधक सत्येन्द्र जयसवाल थे। एसोसिएशन के चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी एस पी अग्रवाल की देखरेख में हुए। जिसमें आर के जैन को अध्यक्ष पद एवं अशोक कुमार ढल को सचिव पद, आर एस गुप्ता, एल आर सिन्हा, पवन अग्रवाल एवं संजीव शंकर झा, केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

अन्य सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव भी सर्वसम्मति से संपन्न हुए। आम सभा पश्चात् मनोरंजन से भरपूर गेम्स, हाऊजी व लक्की ड्रा आदि ने सभी को हर्षित एवं रोमांचित किया। अन्त में जयपुर सर्किल के उपाध्यक्ष आर एस गुप्ता द्वारा सभी उपस्थित महानुभावों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राम गोपाल मराठा, जयदेव चौथवानी, संतोष कर्मचंन्दानी, प्रकाश खुशलानी और पी सी सोनी का योगदान रहा।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' पर विचार गोष्ठी

कोटा, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय कोटा के रामानुजन हॉल में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (उच्च शिक्षा) की स्थानीय इकाई राजकीय महाविद्यालय कोटा एवं राजकीय कला महाविद्यालय कोटा के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो.प्रतिमा श्रीवास्तव ने की, मुख्यवक्ता कोटा विश्वविद्यालय कोटा में रसायन शास्त्र के प्रो.भवानी सिंह, विशिष्ट वक्ता सहायक निदेशक कॉलेज शिक्षा प्रो. विजय कुमार पंचोली, विभाग संयोजक नवीन मित्तल भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. रामावतार मेघवाल (विभाग सह-संयोजक) ने किया। कार्यक्रम में प्रारंभ में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा अतिथियों का माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्यवक्ता प्रो.भवानी सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर बोलते हुए कहा कि 1986 में लागू शिक्षा नीति में समय के अनुसार बदलाव की आवश्यकता के कारण नये संदर्भ और परिस्थितियों के अनुकून राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की गई।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए हमें सकारात्मक दिशा में कार्य करने होगा। समयानुसार पाठ्यक्रमों में बदलाव करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध पहलुओं को पाठ्यक्रम में शामिल करना होगा। क्रियान्वयन की तीव्रता पर उन्होंने कहा कि इसके लिए महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय को मिलकर काम करना होगा।

'अपात्र लाभार्थी से स्वेच्छा से नाम हटवाएं'

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा संचालित गिव-अप अभियान के तहत कोटा जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने अपात्र लाभार्थियों से स्वेच्छा से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्राप्त लाभ को त्यागने की अपील की है, ताकि वे वास्तविक पात्र व जरूरतमंद परिवार इस योजना से लाभान्वित हो सकें जो अभी तक इससे वंचित हैं।

जिला कलेक्टर द्वारा जारी अपील में कहा गया है कि सरकार की मंशा अपात्र लाभार्थियों पर कठोर कार्रवाई करने की नहीं है, बल्कि उन्हें स्वेच्छा से योजना से बाहर होने का अवसर देने की है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के पास चार पहिया वाहन या महंगे व्यावसायिक वाहन (जिनकी अनुमानित कीमत 10 लाख या उससे अधिक हो), बड़े पक्के मकान, एयर कंडीशनर, अत्यधिक बिजली बिल, बड़ी कृषि भूमि अथवा विरासत में प्राप्त संपत्ति है, वे इस खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पात्र नहीं हैं।

इसके अलावा जिन परिवारों में कोई सदस्य सरकारी सेवा में है या निजी क्षेत्र में एक लाख रुपए से अधिक मासिक वेतन या पेंशन प्राप्त करता है, वे भी योजना से बाहर होने के योग्य हैं। इसी प्रकार वृद्धावस्था पेंशनधारी के राशन कार्ड में जुड़े ऐसे आर्थिक रूप से सक्षम सदस्य जो अनाधिकृत रूप से योजना का लाभ ले रहे हैं, उन्हें भी इस सूची से नाम हटवाना चाहिए।

खाद्य सुरक्षा सूची से स्वैच्छा से नाम हटवाने वाले लाभार्थी भविष्य में संभावित प्रशासनिक कार्रवाई जैसे गेहूं की वसूली आदि से बच सकेंगे। साथ ही, इससे उन सैकड़ों जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिलेगा जो पात्र होते हुए अभी तक योजना के लाभ से वंचित हैं। जिला कलक्टर ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे ईमानदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय देते हुए।

नाम परिवर्तन

मैं, कोशल, माता सैनिक संख्या 15712726N NK विकास कुमार, निवासी गांव, पोस्ट-फुगाना, तहसील-बुढाना, जिला-मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश, पिनकोड-247776, मैंने अपना नाम कौशल्या देवी (जन्मतिथि 01.05.1958) से बदलकर कौशल (जन्मतिथि 01.01.1963) रख लिया है। भविष्य में मुझे कौशल, (जन्मतिथि 01.01.1963) के नाम से ही जाना पहचाना जाए। शपथ पत्र संख्या BZ 256354 दिनांक 30.07.2025

मैं, जगमेर पिता सैनिक क्रमांक 15712726N NK विकास कुमार, निवासी ग्राम, पोस्ट-फुगाना, तहसील-बुढाना, जिला-मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश, पिनकोड-247776, ने अपना नाम जगमेहर (जन्मतिथि 15.08.1953) से बदलकर जगमेर (जन्मतिथि 01.01.1962) रख लिया है। भविष्य में मुझे जगमेर (जन्मतिथि 01.01.1962) के नाम से ही जाना पहचाना जाए। शपथ पत्र संख्या BZ 256355 दिनांक 30.07.2025

तरुण कुमार जिला संगठन मंत्री बने

कोटा, (निसं)। भारतीय किसान संघ जिला कोटा के संगठन मंत्री के पद पर तरुण कुमार को नियुक्त किया गया है। भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह ने कोटा बूंदी के प्रवास के दौरान यह घोषणा की। इस दौरान भारतीय किसान संघ के संस्थापक सदस्य मोहनलाल नागर, राष्ट्रीय घुमंतू कार्य प्रमुख मणिलाल लबाणा, प्रदेश राजस्व मंत्री शिवराज पुरी, चित्तौड़गढ़ प्रांत संगठन मंत्री परमानंद, प्रांत महामंत्री अंबालाल शर्मा, महिला प्रमुख राममूर्ति मीणा, रजनी धाकड़, संतोष नागर, कोटा संभाग अध्यक्ष गिरिराज चौधरी, संभाग उपाध्यक्ष मोहनलाल नागर, कोटा जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा, बूंदी जिला अध्यक्ष संतोष दुबे, बारां जिला अध्यक्ष अमृतलाल, कोटा जिला मंत्री रूपनारायण यादव, कार्यालय मंत्री महावीर नागर, बूंदी जिला उपाध्यक्ष, जिला मंत्री चंद्रप्रकाश मीणा, जिला उपाध्यक्ष भूरालाल धाकड़ समेत हाड़ौती कार्यकर्ता एवं किसान बंधु उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर निगम कोटा उत्तर (गैराज)

क्रमांक : ननिको(उ)/गैरीज/2025/1260–1270 दिनांक : 24.07.2025

-: अल्पकालिन पुन: ई-निविदा सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम कोटा उत्तर के गैरीज अनुभाग में वृक्षारोपण के लिए गढ्ढे करने हेतु ट्रेक्टर मय ड्रिलमशीन किराये पर मय डीजल आपूर्ति हेतु संबंधित संवेदकों से ऑनलाईन निविदा पद्वति से नियमानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संवेदक निविदा प्रपत्र एवं शर्ते SPPP.Rajasthan.Gov.In, Kotamc.org, http://eproc.rajasthan.gov.in पर प्राप्त कर सकेगें।

U.B.N. Code No. DLB2526WSRC 13049
NIB : DLB2526A4091

उपायुक्त (गैरीज)
नगर निगम कोटा उत्तर

राज.संवाद/सी/25/7305

कार्यालय नगर निगम, कोटा उत्तर (राज0)

क्रमांक:–ननिको(उ.)/जनस्वा0/2025/482–492 दिनांक :– 29.07.2025

-:: निविदा निरस्त सूचना ::-

इस कार्यालय द्वारा जारी नगर निगम कोटा उत्तर क्षेत्र के मुख्य मार्गो व अन्य आयोजनो हेतु आवाश्यकतानुसार सफाई कार्य हेतु 310 बीट श्रमिक आपूर्ति कार्य का वार्षिक अनुबंध कार्य हेतु ई–निविदा सूचना क्रमांक ननिको(उ)/जनस्वा0/2025/372–84 दिनांक 23.06.2025 को निविदा जारी की गई थी। उक्त निविदा को अपरिहार्य कारणो से निरस्त किया जाता है।

यह आदेश सक्षम स्तर पर अनुमोदित है।

अति० आयुक्त
नगर निगम, कोटा उत्तर

राज.संवाद/सी/25/7302

कार्यालय नगर पालिका मण्डल मांगरोल जिला–बारां (राज0)

E-mail – npmangrol05@gmail.com PH. No. – 07457-223203

कमांक/भूमि/2025/2102 दिनांक 30.07.2025

सार्वजनिक/आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगर पालिका मागरोल मे नामान्तरण, मकान बेचान अनापत्ति, हकत्याग अनापत्ति, भवन निर्माण स्वीकृती इत्यादि हेतु पत्रावलीयां प्राप्त हुई है। जिनकी जांच की जा रही है। अतः निम्नाकित आवेदनो के निस्तारण किये जाने मे किसी को कोई आपत्ति हो तों सूचना प्रकाशन के अन्दर अवधि 7 योम में अपना आपत्ति मय दस्तावेज पालिका में उपस्थित होकर लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं। अवधि समाप्ति पश्चात कोई एतराज/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. स.	नाम आवेदक	पता	सम्बन्धित विवरण
1	अब्दुल सलाम पुत्र पीर मोहम्मद	वार्ड नं. 20 सिपाई मोहल्ला मांगरोल	हकत्याग अनापत्ति
2.	जाकिर हुसैन पुत्र अब्दुल हमीद	वार्ड नं. 21 जामा मस्जिद के पास, मांगरोल	नामान्तरण
3.	कृष्णमुरारी पुत्र भैरुलाल गालव	वार्ड नं. 04 ईटावा रोड काज्या टोडी मांगरोल	नामान्तरण
4.	गायत्री बाई पत्नी सत्यनारायण गालव	वार्ड नं. 18 छोटा बाजार, मांगरोल	मकान बेचान अनापत्ति

राज.संवाद/सी/25/7301 अधिशाषी अधिकारी

अनूपगढ़ में साढ़े पांच इंच बरसात होने से घरों में दरारें आईं, कई जगह जलभराव

एसडीएम, तहसीलदार और एसएचओ क्षेत्र में सुरक्षा के बंदोबस्त में जुटे

अनूपगढ़, (निसं)। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में रात करीब दो बजे से लगातार तेज बरसात का दौर जारी है। रात से हो रही बरसात के बाद अब तक करीब 140 एमएम (साढ़े पांच इंच) बरसात शहर में हो चुकी है, जिस कारण शहर की गलियों में पानी भर गया है।

बरसात के कारण वार्ड 29 में एक घर में दरार आ गई और वही गांव 71 जीबी में एक घर की दीवार गिर गई। बाजार में 2 दुकानों के छज्जे भी गिर गए। एसडीएम सुरेश राव, तहसीलदार श्रीवर्धन शर्मा और एसएचओ ईश्वर जांगिड़ सुबह से ही

■ **बरसात के कारण वार्ड 29 में एक घर मे दरार आई और गांव 71 जीबी में एक घर की दीवार गिर गई**

क्षेत्र में सुरक्षा के बंदोबस्त में जुटे हुए हैं। एसएचओ ईश्वर जांगिड़ के द्वारा आमजन से घरों में रहने की अपील की जा रही है। एसडीएम सुरेश राव ने आमजन से सावधानी बरतने की अपील की है। शहर के प्राचीन गढ़ की एक बुर्जी भरभराकर गिर गई। सारा मलबा सड़क पर आ गिरा। मिस्त्री मार्केट में दो दुकानों के छज्जे गिर गए। 33 ए के पास के ए वितरिका में कटाव आ गया। स्थिति यह है कि वार्ड नंबर 11 में एक खाली प्लाट की दीवारें ढह गई तो वहीं वार्ड नंबर 29 में एक घर के कमरों में दरारें आ गई तथा छत से पानी टपकने लगा। इस पर वार्ड नंबर 29 के पार्षद मुराद खान ने तुरंत घर खाली करवाकर मकान मालिक के परिवार को अन्य जगहों पर शिफ्ट किया।

मुराद खान ने बताया कि पुन्नू खान पुत्र बप्पा खान निवासी वार्ड नंबर 29 अपने परिवार के साथ दो कमरों के मकान में रहता है। अत्यधिक बरसात होने के कारण उसके मकान में दरारें आ गई है जिस कारण एक बार के लिए उन्हें अपना घर छोड़ना पड़ा है।

शहर में लगातार हो रही बरसात के बाद पुलिस थाना रोड, गौरव पथ, वेयरहाउस रोड, प्रेम नगर, वार्ड नंबर 24, वार्ड नंबर 17, वार्ड नंबर 27, वार्ड नंबर 21 सहित विभिन्न वार्डों की गलियों में पानी गया है। नगर पालिका प्रशासन पानी निकासी की व्यवस्था में जुटा हुआ है।

कृषि विभाग के सहायक निदेशक (कृषि विस्तार) जसवंत सिंह बराड़ ने बताया कि इतनी बारिश धान की फसल को छोड़कर सभी फसलों के लिए अब नुकसानदायक है। रात करीब एक बजे से लगातार हो रही बरसात के बाद जिला कलेक्टर डॉक्टर मंजू ने आपातकालीन स्थिति को देखते हुए स्कूलों में आंगनबाड़ियों में आज का अवकाश घोषित किया है। इस बीच स्कूल स्टाफ स्कूल में मौजूद रहेगा। थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ द्वारा भी शहरवासियों से अपील की जा रही है कि कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकले तथा सुरक्षित स्थान पर ही रहे।

सवाई माधोपुर शहर में विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न

प्रशासन ने भारी बारिश से प्रभावित नागरिकों को राहत सामग्री पहुंचाई

सवाई माधोपुर, (निसं)। हाल ही में सवाई माधोपुर शहर में हुई भारी वर्षा के कारण विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे आमजन के दैनिक जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। जिला कलेक्टर काना राम के निर्देशानुसार नगर परिषद सवाई माधोपुर द्वारा प्रभावित नागरिकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

नगर परिषद आयुक्त नरसी मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुराने शहर की कई कॉलोनियों-जैसे अंसारी मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, ब्रह्मपुरी, कुम्हार मोहल्ला, रैगर

■ **भोजन, पेयजल एवं सफाई व्यवस्था के लिए विशेष टीमें तैनात, कंट्रोल रूम स्थापित**

मोहल्ला एवं गुरुद्वारे के पास में जलभराव के चलते आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए नगर परिषद द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में प्रातः एवं सायं काल जल टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही, आज नगर परिषद की टीम एवं पार्षदों के सहयोग से उक्त क्षेत्रों में लगभग 1000 भोजन पैकेटों का वितरण किया गया।

आयुक्त ने बताया कि सभी प्रभावित बस्तियों में सफाई व्यवस्था के लिए सफाईकर्मियों की विशेष टीम लगाई गई है, जो लगातार सफाई कार्य में जुटी हुई है। नगर परिषद द्वारा यह राहत कार्य आगामी दिनों में भी सतत रूप से जारी रखा जाएगा। साथ ही, आयुक्त ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को राहत से संबंधित सहायता की आवश्यकता हो, तो वह नगर परिषद के कंट्रोल रूम पर संपर्क करें।

तालाब के पानी में बहे बालक का शव पाइप में फंसा मिला

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

टोंक, (निसं)। टोडारायसिंह उपखण्ड क्षेत्र के गोलेड़ा गांव के तालाब के ओवरफ्लो पानी की रपट पर साथियों के साथ नहाते समय बहे 13 वर्षीय बालक का शव नौ घंटे बाद गुरुवार रात को घटनास्थल से कुछ दूरी पर छोटी पुलिया के नीचे सीमेंट के पाइप में फंसा मिला। रेस्क्यू कर रही एसडीआरएफ की टीम ने शव पुलिस को सौंप दिया, बाद में पुलिस ने शुक्रवार को बालक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर उसे परिजनों को सौंप दिया।

टोड़ारायसिंह तहसीलदार राहुल पारीक ने बताया कि गोलेड़ा निवासी अर्पित शर्मा पुत्र दौलत शर्मा जो गुरुवार दोपहर को गांव के तालाब की चल रही चादर के पानी में नहा रहा था, जहां उसका सन्तुलन बिगड़ने से वह पानी के बहाव में बह गया। बाद में उसके साथ नहा रहे बच्चों के चिल्लाने पर ग्रामीण वहां आये तथा बच्चों के बताए अनुसार उसकी तलाश करना शुरु की। बाद में पुलिस और उसके परिजनों को भी सूचना दी। कुछ देर बाद परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर ही एसडीआरएफ की टीम बुलाकर बालक की तलाश शुरू की, टीम ने बीती रात को ही घटना स्थल के पास नाले की पुलिया के नीचे पाइप में फंसे बच्चे के शव को निकाला।

हिरण का शिकार करने वाला गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। वन विभाग की टीम ने 27 जुलाई की शाम को कानासर की रोही में गोली मारकर दो हिरणों का शिकार करने के एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। सात साल पहले बदरासर की रोही में दो हिरण और खरगोश का शिकार करने के मामले में अभियुक्त को गिरफ्तार किया तो उससे पूछताछ में कानासर की रोही में शिकार करने वाले नामजद हो गए।

वन विभाग के रेंजर महावीर रुहिल ने बताया कि रविवार की शाम को कानासर की रोही में दो चिंकारा हिरणों का गोली मारकर शिकार किया गया था। मौके से मृत हिरण बरामद हुए, लेकिन शिकारी फरार हो गए थे। पूर्व में 24 मई, 18 को 19 जेएमडी बदरासर की रोही में दो मादा हिरण और खरगोश का शिकार किया गया था जिसमें 10 अभियुक्त नामजद थे। तीन को गिरफ्तार किया गया और सात फरार थे। उनमें से बदरासर कावनी निवासी लखाराम को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। उसने कानासर की रोही में शिकार करने वाले जसवंत का नाम भी उगल दिया। वन विभाग की टीम ने जसवंत को गिरफ्तार कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। उसके साथी की तलाश की जा रही है। पुराने मामले में गिरफ्तार लखाराम को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पैंथर ने मवेशियों का शिकार किया

मसूदा, (निसं)। मसूदा क्षेत्र के उत्तमी ग्राम में एक बार फिर पैंथर ने मवेशियों का शिकार किया। करीब एक दर्जन मवेशियों को निवाला बना दिया। बीती रात कस्बे वासियों द्वारा एक खेत में पैंथर के शावक देखे गए, जिसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। मौके पर अधिकारी द्वारा शावक की फोटो देखकर जंगली बिल्ली के बच्चे बता कर इतिश्री कर ली, लेकिन जब रात को उन्हीं शावक की मादा द्वारा मवेशियों को शिकार किया गया तो ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। सरपंच प्रतिनिधि लाला काठात ने बताया कि इन शावकों की सूचना विभाग को रात को ही दे दी गई थी।

महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के एनईबी थाना पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर एक विवाहिता से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 27 वर्षीय हुकुम सिंह है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरवरी 2025 में आरोपी ने

■ **फाइनेंस कंपनी का अफसर बनकर रेप किया था**

खुद को फाइनेंस कंपनी में अधिकारी बताते हुए पीड़िता से संपर्क किया और उसे लोन दिलवाने का झांसा दिया। पीड़िता ने भी भरोसा कर लिया। इसके बाद महिला आरोपी के जाल में फंसती गई। अधिक पैसा लोन दिलाने का झांसा देकर महिला से रेप किया। जब लोन नहीं मिला तो घटना के बाद पीड़िता ने साहस जुटाकर एनईबी थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज करते ही आरोपी की तलाश शुरू की। अब उसे अरेस्ट कर लिया। रेप व लोन का झांसा दिलाने से जुड़े सबूत भी पुलिस ने जुटाए हैं। इस मामले में गहनता से जांच हो रही है।

थाना प्रभारी ने मामले की पूरी जानकारी अलवर एसपी को भी दी है। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने गुरुवार को आरोपी हुकुम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया।

स्कूल के जर्जर कमरों को प्रशासन ने ध्वस्त करवाया

महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, भंवर कलां गेट के जर्जर कमरों को धवस्त किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। झालावाड़ जिले में हाल ही में एक स्कूल की छत गिरने की घटना के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। सरकार के निर्देशानुसार राज्य के सभी राजकीय एवं गैर राजकीय स्कूलों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है ताकि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके।

■ **एसडीएम की सूझबूझ से समय रहते बची बड़ी दुर्घटना, छात्रों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त**

■ **तोड़े गए कक्षों की हालत देखकर यह स्पष्ट हुआ कि वे पूरी तरह मिट्टी और पत्थर से निर्मित थे और बरसात के पानी से दीवारें गीली हो चुकी थीं**

इसी क्रम में सोमवार को जहाजपुर उपखंड अधिकारी राजकेश मीणा ने महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, भंवर कलां गेट का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान कुछ कक्षों की हालत अत्यंत जर्जर पाई गई, जिस पर तत्काल प्रभाव से उन कमरों को बंद करने तथा अत्यधिक क्षतिग्रस्त कक्षों को गिराने के आदेश दिए गए थे। शुक्रवार को प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए विद्यालय के जर्जर कक्षों पर बुलडोजर चलवाया। तोड़े गए कक्षों की हालत देखकर यह स्पष्ट हुआ कि वे पूरी तरह मिट्टी और पत्थर से निर्मित थे और बरसात के पानी के कारण उनकी दीवारें पूरी तरह गीली हो चुकी थीं। समय रहते यदि इन्हें नहीं गिराया जाता, तो किसी भी समय दीवारें या छत गिरने से बड़ा हादसा हो सकता था। विद्यालय में शिक्षारत छात्रों एवं स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई एहतियातन और आवश्यक मानी जा रही है। उपखंड अधिकारी ने बताया कि ऐसे सभी स्कूल भवनों की जांच जारी है और जहां भी खतरे की स्थिति दिखेगी, वहां बिना देरी के कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की तत्परता से संभावित हादसा टल गया, और एक बार फिर यह सिद्ध हुआ कि सतर्कता और समय पर लिया गया निर्णय, जान-माल की बड़ी क्षति से बचा सकता है।

अलवर के बड़े अस्पताल सहित करीब बीस चिकित्सा भवन जर्जर हालत में

अलवर, (निसं)। अलवर के बड़े अस्पताल सहित करीब बीस चिकित्सा भवन जर्जर हालत में है। यहां भी कोई बड़ी घटना घट सकती है। अस्पताल के वार्ड टपक रहे है। प्रशासन को बच्चों के अलावा मरीजों और स्कूल स्टाफ की सुध लेनी चाहिए।

भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने कक्षा एक से 12 तक के बच्चों की लगातार तीन दिन से छुट्टी कर रखी है, लेकिन स्कूल स्टाफ को स्कूल में आना होगा। अब सवाल यह उठता है कि यह भारी बारिश में अवकाश का प्रावधान झालावाड़ हादसे के बाद हुआ है। प्रशासन को भय है कि अलवर जिले में करीब दो सौ से ज्यादा जर्जर स्कूल भवन है। कहीं अलवर में भी झालावाड़ जैसी पुनवृर्ती ना हो जाए इसी को मद्देनजर रखते हुए बच्चों की तीन दिन से लगातार जिला कलेक्टर के आदेश पर अवकाश जारी कर दिए गए। वहीं अलवर जिला अस्पताल के महिला वार्ड की छत टपक रही है। मरीजों के बेडों को इधर से उधर खींचकर उन्हें पानी से बचाने का प्रयास किया जा रहा है। यह प्रयास पिछले साल से किए जा रहे हैं।

वार्ड प्रभारी ने बताया कि उन्हें अनेकों बार अस्पताल प्रशासन को लिखित में दे रखा है लेकिन जिला प्रशासन ने आज तक इस समस्या को नजरअंदाज किया हुआ है। हो सकता है कि अस्पताल प्रशासन किसी हादसे का इंतजार कर रहा हैं।

जिले में 20 चिकित्सा केंद्र जर्जर भवन में संचालित हो रहे हैं। सीएमएचओ कार्यालय भवन भी जर्जर है। करीब एक साल से डिप्टी सीएमएचओ व आरसीएचओ कार्यालय के नए भवन में अस्थायी रूप से सीएमएचओ कार्यालय का संचालन किया जा रहा है।

जिले में 2 पीएचसी, 3 सीएचसी और 15 उप स्वास्थ्य केन्द्र (सब सेंटर) जर्जर भवन में संचालित हैं। इसमें बहतुकलां व चांदोली पीएचसी एवं उमरैण, गोविंदगढ़ व लक्ष्मणगढ़ सीएचसी भवन के हालात खराब हैं। इसके अलावा खेरली सैय्यद, गोठड़ा, रतनगढ़, खेड़ी, नंगली बंजरीका, खोह, बगड़-तिराहा, रामपुरा, परवेणी, उकेर, भूड़ा, घाटला, झारखेड़ा, देसूला व भजीट सब सेंटर के भवन भी जर्जर हालत में हैं। कभी भी हादसा हो सकता है।

जिला अस्पताल परिसर में संचालित जीएनएमटीसी व एएनएमटीसी का भवन भी जर्जर अवस्था में हैं। यहां कमरों का प्लास्टर झड़ने के साथ ही छज्जे गिराऊ हालत में हैं। करीब एक साल पहले शिशु अस्पताल की गैलरी से प्लास्टर उखड़कर गिरा था, जिसे अभी तक सही नहीं किया जा सका है और वार्ड में मरमत कार्य हो सका है। अस्पताल के छज्जे भी गिराऊ हालत में है, जिसके कारण कभी भी फिर से कोई हादसा हो सकता है। पिछले साल भी शिशु अस्पताल में प्लास्टर गिरने से महिला सहित कुछ लोग घायल हो गए थे। हालांकि अभी जिला अस्पताल में मरम्मत कार्य चल रहा है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा कार्य की गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अस्पताल में बने छज्जों की ढाल भी सही नहीं है। इसके कारण छत का पानी नीचे गिरने की जगह उसका दीवारों में रिसाव हो रहा है।

जिले में 107 चिकित्सा संस्थान ऐसे हैं, जिनको खुद विभाग ने मरमत योग्य माना है। ये चिकित्सा संस्थान बारिश के दौरान स्टाफ और मरीजों के लिए आफत बने हुए हैं। कहीं छत से पानी का रिसाव होने से सीलन हो रही है, तो कहीं चूना झड़ कर गिर रहा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार खेरली ब्लॉक में 27, मालाखेड़ा में 8, थानागाजी में 17, रामगढ़ में 27, रैणी में 8, उमरैण में 11, गोविंदगढ़ व लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक में 4-4 चिकित्सा संस्थान मरमत योग्य हैं। उप स्वास्थ्य केन्द्रों की हालत ज्यादा खराब है। अलवर शहर का पहाड़गंज यूपीएचसी भी इसमें शामिल है।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल फुलेरा, जिला-जयपुर

क्रमांक/न.पा.फु./नि.शा/2025-26/992 दिनांक : 31.07.2025

-: निविदा सूचना :-

नगर पालिका फुलेरा की और से नियमानुसार विभिन्न कार्य हेतू करवाये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सूचना से सम्बन्धित समस्त शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ पर NIB Code- DLB2526A4140 द्वारा देखी जा सकती है। तथा उक्त कार्यो के UBN Number – DLB2526WSOB13140, DLB2526WSOB13141 है।

राज.संवाद/सी/25/7347 अधिशाषी अधिकारी

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR

File No. 1056-67 Date: 22.07.2025

Notice Inviting Bid

NOB CODE: PWD2526A2158 and UBN is: PWD2526WSOB07801

NOB CODE: PWD2526A2158 and UBN is: PWD2526WSOB07803

Bids For NIT No. 03/2025-26 Mise. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 24.07.2025 11.00 AM to Date 04.08.2025 upto 6.00 PM. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 60.00 Lacs.

(Naresh Chand Meena) Executive Engineer PWD Division Dholpur

DIPR/C/10609/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चॅवली परियोजना नहर खण्ड, झालावाड़

क्रमांक-निविदा/2025-26/1372-85 दिनांक- 24.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से Tree Plantation in mission Hariyalo Rajasthan कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित कुल लागत राशि रू. 66.90 लाख है। निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से http://www.eproc.rajasthan.gov.in की वेबसाईट से डाउनलोड एवं अपलोड की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट http://www.waterresources.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है। निविदा दिनांक 25.07.2025 प्रात 9.30 बजे से दिनांक 04.08.2025 सायं 06.00 बजे तक से http://www.eproc.rajasthan.gov.in से Upload की जा सकती है/देखी जा सकती है।

NIB CODE: WRD2526A0278, UBN is WRD: WRD2526WSOB00753

(वीरेन्द्र सिंह) अधिशाषी अभियन्ता चॅवली परियोजना नहर खण्ड झालावाड

DIPR/C/10776/2025

कार्यालय नगर पालिका, बालेसर सत्ता (जोधपुर) राज.

Municipal Board, Balesar Satta (Jodhpur) Rajasthan e-mail:- eombbalesar2022@gmail.com

क्रमांकः- न.पा.बाले.सत्ता/स्टोर/2025-26/648 दिनांकः- 24.07.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना (2025-26)

(NIB NO.- DLB2526A3901)

नगरपालिका बालेसर सत्ता की ओर से नगरपालिका बालेसर सत्ता एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया अनुसार सफाई श्रमिक व स्वास्थ्य निरीक्षक आपूर्ति कार्य की ऑनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित लागत 24.90 लाख रू. की निविदा ऑनलाईन जारी की दिनांक एंव निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

प्रशासक नगरपालिका बालेसर सत्ता — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बालेसर सत्ता

राज.संवाद/सी/25/7328

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/111 - 113 Date : 30/07/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 29/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 1552.17 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	01.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 28.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	01.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 28.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	29.08.2025 को प्रातः 11:00 बजे (तकनिकी बिड)

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WLOB00196, ITU2526WLOB00197

अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/25/7342

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1244 दिनांक-24.07.2025

Notice Inviting Bid: 16-26/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 05.08.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 300.70 lacs and maximum value of single work in this procurement is 29.92 lac.

NIT NO.	16	17	18	19
UBN NO.	PHE2526WSOB 04930	PHE2526WSOB 04931	PHE2526WSOB 04933	PHE2526WSOB 04934
NIT NO.	20	21	22	23
	PHE2526WSOB 04935	PHE2526WSOB 04936	PHE2526WSOB 04937	PHE2526WSOB 04938
NIT NO.	24	25	26	
	PHE2526WSOB 04939	PHE2526WSOB 04940	PHE2526WSOB 04941	

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

DIPR/C/10553/2025

राजस्थान सरकार

निदेशालय आयुर्वेद विभाग, राजस्थान, अजमेर

क्रमांक-प.2/आ.मि./कॉटन बैण्डेज उपा./2025-26/ दिनांक-21.07.2025

ई-बोली विज्ञप्ति वर्ष 2025-26

(विभागीय चिकित्सालय/औषधालयों हेतु कॉटन, बैण्डेज का क्रय)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभागीय चिकित्सालय/औषधालयों के उपयोगार्थ कॉटन, बेण्डेज की विभागीय रसायनशालों पर आपूर्ति हेतु राजस्थान में स्थित पंजीकृत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उधम विकास अधिनियम 2006 की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिकृत ईकाइयों वाले इच्छुक बोलीदाताओं से क्रय की कुल अनुमानित राशि रू. 150.00 लाख रू. ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कॉटन, बेण्डेज के क्रय हेतु फॉर्म डाउनलोड प्रारंभ करने की दिनांक 21.07.2025 सायं 6.00 बजे से एवं स्वीकार करने की अंतिम तिथि 13.08.2025 प्रात 11.00 बजे रखी गई है।

बोली से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://dipr.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट पर भी देखी जा सकती है।

Job wise Cotton, Bendez UBN NO.- AYU2526GLOB00261

DIPR/C/10607/2025 निदेशक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जल संसाधन खण्ड द्वितीय, धौलपुर

E-mail:- ee2wrddlp@gmail.com, Add- Irrigation Colony G.T. Road Dholpur-328001

क्रमांक-/निविदा/2025-26/782 दिनांक-25.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से Mission Hariyalo rajasthan के अंतर्गत Plantation work हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित कुल लागत राशि रू. 64.12 लाख है। निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से http://www.eproc.rajasthan.gov.in की वेबसाईट से डाउनलोड एवं अपलोड की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट http://www.waterresources.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है। निविदा दिनांक 26.07.2025 प्रात 9.30 बजे से दिनांक 05.08.2025 सायं 05.00 बजे तक से http://www.eproc.rajasthan.gov.in से Upload की जा सकती है/देखी जा सकती है।

NIB CODE : WRD2526A0290, UBN is WRD : WRD2526WSOB00773

(मनोज कुमार कुशवाह) अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खण्ड द्वितीय, धौलपुर

DIPR/C/10869/2025

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा

email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :-ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/596-610 दिनांक :- 31.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 30/2025-26

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 43.58 लाख रूपये की ऑनलाईन निविदायें दिनांक 01.08.2025 से दिनांक 11.08.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड नं. 08 बन्धा में पूर्व निर्मित सार्वजनिक सामुदायिक भवन का विस्तार कार्य।	10.00
2	न्यू मेडिकल कॉलेज परिसर में सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य।	33.58

NIB Code No. DLB2526A4144

UBN No. DLB2526WSOB13147 UBN No. DLB2526WSOB13149

अधिशाषी अभियंता नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/7311

Municipal Council Dholpur

No. – 1969-71 Date- 31.07.2025

Notice Inviting Tender (E-12)

N.I.T. is invited on behalf of Governor of Rajasthan by Municipal Council Dholpur for Pani nikasi work from Registered Contractor the amount of work is 28 lacs and UBN No. are has under.

UBN No- DLB2526SLOB13135

For detail visit www.sppp.rajathan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in

Commissioner Municipal Council Dholpur

Raj.Samwad/C/25/7378

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) कॉरपोरेट कार्यालय, 04, मीरा मार्ग, उदयपुर- 313001(राज.)

फोन नम्बर: (0294)2428768/2428763-67, फैक्स: (0294)2428768,2428739

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 01/08/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
ई-निविदा संख्या 06/2025-26 UBN No. MML2526SLRC00072	GSFC के वड़ोदरा स्थित प्लांट से झामरकोटड़ा खदान, उदयपुर तक फास्फोरिक एसिड की आपूर्ति हेतु। अनुमानित मात्रा – 2000 MT, धरोहर राशि (रु. में) 48,000/–, निविदा प्रपत्र मूल्य (रु. में) 1180/–

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (एमएम) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/7336 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

Office of the Medical Superintendent

RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur

Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033(Raj.)

दूरभाष: 0141-2795577, Email: supdt.hms@ruhsraj.org, ruhshmstore@ruhsraj.org

No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2025-26/7501 Date :- 31/07/2025

Notice Inviting e-Bids

Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited up to 02.00 pm of 28-08-2025 for Supply and Installation of Various Equipment/Items at Dept. of Ophthalmology, RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur. (Total Est. Cost Rs. 6,17,00,000.00). Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in, or eproc.rajasthan.gov.in. UBN : CMS2526GLOB00064-68, 71-72, 75-77, CMS2526GSOB00069-70, 73-74

Medical Superintendent, RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur

Raj.Samwad/C/25/7349

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.udaipurmc.org

क्रमांक : निविजा/2025-26/ई -18 दिनांक :- 29.07.2025

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 18/2025-26

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 27.72 लाख के कुल 02 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 30.07.2025 एवं अंतिम तिथि 11.08.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 12.08.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2526WSOB00061

राज.संवाद/सी/25/7299 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

कार्यालय नगर निगम जोधपुर दक्षिण

(नगर निगम भवन, पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर)

(ceo_nnj@rediffmail.com Tel: 0291-2651464)

क्रमांकः- 11336 दिनांकः- 31.07.2025

निविदा सूचना

UB NO. DLB2526SSOB13182

नगर निगम जोधपुर दक्षिण में दस वुड चीपर थ्री व्हीलर मशीन आपूर्ति करने हेतु विनिर्माता/अधिकृत विक्रेता/रजिस्टर्ड फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्ते www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjs एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/7316 आयुक्त नगर निगम जोधपुर दक्षिण

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर (बीकानेर)

E-mail:- eonagarpalikanapasar@gmail.com

क्रमांकः-न.पा.ना.पा/निर्माण/2025-26/709 दिनांक 28.07.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 17/निर्माण/2025-26

नगर पालिका नापासर की ओर से विभिन्न कार्यों (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 17.90 लाख

UBN Number :- DLB2526WSOB13070

राज.संवाद/सी/25/7334 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-मण्डरायल

क्रमांक-360-375 दिनांक-18.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-05/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एए, ए, बी, सी व डी श्रेणी एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए व ए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE : PWD2526A2074, UBN NO. (1) PWD2526WSOB07484 (2) PWD2526WSOB07488, (3) PWD2526WSOB07490

(समय सिंह मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड मण्डारायल

DIPR/C/10365/2025

आवासन मंत्रालय के सचिव ने वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का निरीक्षण किया

सचिव श्रीनिवास ने लांगड़ियावास में स्थित प्लांट का दौरा किया

सचिव कातिकिथाला श्रीनिवास (बीच में) ने जयपुर जिले के जमवारामगढ़ के ग्राम लांगड़ियावास में स्थित ठोस अपशिष्ट आधारित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का दौरा किया।

जयपुर। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव कातिकिथाला श्रीनिवास ने शुक्रवार को जयपुर जिले के जमवारामगढ़ के ग्राम लांगड़ियावास में स्थित ठोस अपशिष्ट आधारित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का दौरा किया। यह प्लांट राजस्थान सरकार की स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत एक प्रमुख पहल है, जिसे जिंदल अर्बन वेस्ट मैनेजमेंट (जयपुर) लिमिटेड द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल में संचालित किया जा रहा है।

- **श्रीनिवास ने प्लांट प्रमुख से प्लांट की कार्य प्रणाली, उपयोग लाई जा रही तकनीकों, अपशिष्ट से ऊर्जा निर्माण प्रक्रिया,पर्यावरणीय लाभों पर विस्तृत जानकारी ली**

स्वच्छ भारत मिशन शहरी के निदेशक जुइकर प्रतीक चंद्रशेखर एवं आयुक्त, नगर निगम जयपुर (हेरिटेज) डॉ. निधि पटेल ने श्रीनिवास को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर स्वायत्त शासन विभाग व निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं अभियंता भी उपस्थित रहे।

श्रीनिवास ने प्लांट प्रमुख से प्लांट की कार्यप्रणाली, उपयोग लाई जा रही नवीनतम तकनीकों, अपशिष्ट से ऊर्जा निर्माण प्रक्रिया एवं पर्यावरणीय लाभों पर विस्तृत जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने संपूर्ण प्लांट का भ्रमण कर इसकी कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

इस अवसर पर श्रीनिवास ने स्वायत्त शासन विभाग, नगर निगम, जयपुर एवं जिंदल समूह के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह प्लांट इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि किस प्रकार सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र मिलकर शहरी चुनौतियों का सतत् समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं।

यह संयंत्र न केवल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सहायक है बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक अहम योगदान दे रहा है।

फरवरी, 2025 से संचालित इस प्लांट में प्रतिदिन 1000 मीट्रिक टन ठोस कचरे का प्रसंस्करण कर प्रतिदिन 12 मेगावाट-घंटा का विद्युत उत्पादन किया जाता है जिस से लगभग 2.5 करोड़ रूपए की आय नगर निगम को होती है ।

एसआई भर्ती रद्द की मांग को लेकर चल रहे धरने के 100 दिन पूरे

जयपुर । राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमों व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर चल रहे धरने को लेकर कहा कि आज धरने को 100 दिन पूरे हो गए मगर सरकार अपने दायित्व के प्रति संवेदनशील नहीं है,उन्होंने कहा पुलिस उप निरीक्षक भर्ती को रद्द करवाने तथा राजस्थान लोक सेवा आयोग के पुनर्गठन की मांग को लेकर उन्होंने बड़ी रैली की व लोक सभा में भी मामला उठाया।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक रूप से आज 100 दिन आंदोलन के पूरे होने पर धरने पर बैठे युवाओं तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के पदाधिकारियों ने भारत के तिरंगे के प्रतीक कलर के गुब्बारे लगाकर सरकार को संदेश दिया कि हम संविधान की भावना का सम्मान करते हुए अपना आंदोलन कर रहे है ।

दिन भर रुक रुक कर छितराई हुई बारिश का दौर चला। अजमेर रोड पर आई तेज बारिश के बाद लगा लंबा जाम।

प्रधानमंत्री किसानों को जारी करेंगे पीएम-किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में बांसवाड़ा में आयोजित होगा राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह**
- **किसानों को सम्मान और सुरक्षा देने के लिए पीएम-किसान जैसी योजना एक मील का पत्थर है : सांसद मदन राठौड़**

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को वाराणसी (उत्तरप्रदेश) से देशभर के किसानों को पीएम-किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी करेंगे। मोदी 9.7 करोड़ से अधिक किसानों को 20 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से जारी करेंगे। इस आयोजन से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बांसवाड़ा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह के जरिए जुड़ेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान भी उपस्थित रहेंगे। शर्मा राज्य स्तरीय समारोह में कृषि विभाग की पॉलीहाउस, सौर ऊर्जा पंप संयंत्र, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, तारबंदी और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत लाभार्थी किसानों को अनुदान राशि के प्रतीकात्मक चेक वितरण करेंगे।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना को लेकर राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने पात्र परिवार और लाभार्थियों से संबंधित प्रश्न लगाया था, जिसके जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए फरवरी 2019 में पीएम किसान सम्मान निधि योजना को शुरू किया था। योजना के तहत अब तक 19 किश्तों में 3.69 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि वितरित की है। पहली किश्त में जहां देशभर के 3 करोड़ 16 लाख 21 हजार से अधिक लाभार्थियों के खाते में 6324 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए थे, वहीं 19वीं किश्त के रूप में 10 करोड़ 6 लाख 85 हजार से अधिक लाभार्थियों के खाते में 23500 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास है कि कोई भी पात्र किसान इस योजना से वंचित न रहे, इसके लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर सैचुरेशन ड्राइव चलाया जा रहा है। 2023 में जहां भारत संकल्प यात्रा के दौरान 1 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान योजना में शामिल किया गया था, इसके बाद नई सरकार की 100 दिनों की पहल के तहत लगभग 25 लाख और पात्र किसान परिवारों को इसमें जोड़ा गया। इसके बाद सितंबर 2024 से विशेष अभियान चलाकर फिर से वंचित पात्र परिवारों को योजनों में शामिल करने का प्रयास किया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

जयपुर। ट्रेन की चपेट में ओन एक युवक की मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिलने पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया और मोर्चरी में रखवाया। पुलिस जांच में सामने आया कि ट्रेन की टक्कर से युवक उछलकर दूर जाकर गिरा। जिससे चेहरा बिगड़ने के चलते उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। पुलिस ने बताया कि धानक्या रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। ड्यूटी स्टेशन मास्टर ने लाश मिलने की सूचना जीआरपी थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सबूत जुटाए। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया। पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया कि ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है।

जन जागरूकता अभियान में यातायात नियमों की जानकारी दी

- **पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों एवं बाल वाहिनी वाहन चालकों को यातायात संकेतकों से अवगत कराया**

जयपुर। राजधानी जयपुर में पुलिस उपायुक्त यातायात सुमित मेहरडा के निर्देशन में यातायात पुलिस जयपुर की ओर से यातायात नियमों का प्रचार-प्रसार करने के लिए सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रम आयोजित कर हर वर्ग तक यातायात जन जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस कड़ी में शुक्रवार को यातायात शिक्षा टीम द्वारा केपीएस उड़ान स्कूल विद्याधर नगर एवं टीवीबी गर्ल्स पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल अम्बाबाड़ी पर यातायात जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें यातायात शिक्षा टीम के पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों एवं बाल वाहिनी वाहन चालकों को यातायात संकेतकों से अवगत कराया और यातायात नियमों जैसे वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हैलमेट का उपयोग करने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने, वाहन को निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करने, अनावश्यक हॉर्न का उपयोग नहीं करने, नशें में वाहन नही चलाने आदि के बारे में समझाईश की गई सड़क दुर्घटना के समय अच्छा मददगार बनने तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना के बारे में अवगत कराया गया। स्कूलों में ट्रैफिक क्लब बनाकर विद्यार्थियों को ट्रैफिक वालंटियर की तरह भी यातायात का व्यावहारिक प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली की समझ के लिए ट्रैफिक पॉइंट पर यातायात पुलिसकर्मियों के साथ कुछ समय के लिए नियोजन के लिए प्रेरित किया गया।

डॉक्टर से चालीस लाख रुपये की रंगदारी मांगी

- **अंधेरे का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाश उसके घर के बाहर आए और घर के मेन गेट के ऊपर से एक लिफाफे में धमकी भरा लेटर फेंक कर चले गए**
- **लेटर में लिखा कि ज्यादा होशियारी दिखाई तो अच्छा नहीं होगा**

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में एक डॉक्टर से चालीस लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। घर के मेन गेट पर धमकी भरा लेटर एक लिफाफे में रखकर फेंका गया। लेटर में लिखा कि ज्यादा होशियारी दिखाई तो अच्छा नहीं होगा। इस संबंध में पीड़ित डॉक्टर ने थाने में मामला दर्ज करवाया। वहीं पुलिस टीम की ओर से मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि करणी विहार के रहने वाले एक डॉक्टर ने मामला दर्ज करवाया है कि वह चित्रकूट इलाके में प्राइवेट क्लिनिक चलाते हैं। गत दो दिन पहले रात में अंधेरे का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाश उसके घर के बाहर आए और घर के मेन गेट के ऊपर से एक लिफाफे में धमकी भरा लेटर फेंक कर चले गए। अगले दिन अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने के लिए घर से निकल रहे थे। मेन गेट के पास उनको लिफाफा पड़ा दिखाई दिया। लिफाफा खोलकर देखने पर उसमें धमकी भरा लेटर मिला। धमकी भरा लेटर इंग्लिश में लिखा हुआ था कि ज्यादा होशियारी दिखाई तो अच्छा नहीं होगा। चुपचाप चालीस लाख रुपए दे देना। लेटर के जरिए धमकी देकर चालीस लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। पीड़ित डॉक्टर की ओर से धमकी भरा लेटर मिलने के बारे में पुलिस को सूचना दी। पुलिस की ओर से मामले को गंभीरता से लेकर जांच की जा रही है। पुलिस टीमों की ओर से पीड़ित डॉक्टर के घर के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी है।

अनुसूचित जाति के प्रबुद्धजनों के साथ सामाजिक न्याय मंत्री ने बैठक ली

- **'अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए राज्य सरकार कृत-संकल्पित'**
- **गहलोत बुधवार को अनुसूचित जाति के प्रबुद्ध नागरिकों-प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति कल्याण से सम्बन्धित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की**

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री 3अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए कृत-संकल्पित है। सरकार की मंशा है कि सामाजिक न्याय की सभी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को मिल सके।

गहलोत बुधवार को अनुसूचित जाति के प्रबुद्ध नागरिकों-प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति कल्याण से सम्बन्धित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रभावी नेतृत्व में समाज के अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अनुसूचित जाति वर्ग का उत्थान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यालय अम्बेडकर भवन के सभागार में हुई बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के विकास की संकल्पना दशा और दिशा पर विस्तार से मंथन हुआ। बैठक में छात्रवृत्ति प्रक्रिया में सुधार, आक्षेपों का तुरंत निस्तारण, छात्रवृत्ति के लिए तय आय सीमा को बढ़ाने, छात्रवृत्ति राशि बढ़ाने, छात्रावासों के आधुनिकीकरण, अंबेडकर भवनों में पुस्तकालय खोलने, पंचतीर्थ योजना में खासकर युवाओं को शामिल करने, छात्रावासों में भोजन व्यवस्था बेहतर करने, छात्रावासों की मॉनिटरिंग करने, नए छात्रावास खोलने सहित अन्य विषय संस्थाओं द्वारा उठाए गए।

निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग को सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। समाज के प्रबुद्धजनों से प्राप्त सुझावों पर अमल कर योजनाओं में आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

इससे पहले प्रबुद्धजनों ने सामाजिक न्याय मंत्री का साफा पहनाकर स्वागत भी किया। बैठक में निजी सचिव रोहित पटेल, अतिरिक्त निदेशक सुंडाराम मीना, अशोक जांगिड़ सहित अंबेडकर मेमोरियल सोसाइटी के अध्यक्ष जसवंत संपतराम, राष्ट्रीय मेघवाल समाज संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीएल भाटी, एससी-एसटी आरक्षण मंच के प्रदेश मंत्री प्रकाश कुमार मेघवाल, अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के सलाहकार डॉ एस के मोहनपुरिया सहित अखिल भारतीय खटीक समाज, अंबेडकर शिक्षा साहित्य, राष्ट्रीय शिक्षक संघ अंबेडकर, संपूर्ण भारतीय बैरवा विकास संस्था, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण समिति, डॉक्टर अंबेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी कर्मचारी शिक्षक संघ के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मरीज को जयपुर लेकर आ रही एंबुलेंस ट्रक में घुसी

- **हादसे में मरीज और उसकी मां की मौत हो गई, अन्य दो लोग घायल हैं**

जययुर। कानोता थाना इलाके के जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे-21 पर सांप डसने वाले मरीज को जयपुर लेकर जा रही एंबुलेंस ट्रक में घुस गई। इस हादसे में मरीज और उसकी मां की मौत हो गई। वहीं अन्य दो लोग घायल हैं। जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी थाना इलाके के गुर्जर सीमला गांव के दशरथ योगी (21) को गुरुवार देर रात घर में सोते समय सांप ने काट लिया था। मां मुथरी देवी (48) और दो रिश्तेदार मरीज को सीमला से दौसा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद शुक्रवार सुबह दशरथ को जयपुर एसएमएस अस्पताल लिए रेफर किया गया। जहां एंबुलेंस में उनके साथ दो रिश्तेदार और थे। इस हादसे में एंबुलेंस बुरी तरह क्षितगस्त हो गई। इस हादसे में मरीज दशरथ काफी देर तक तड़पने बाद दम तोड दिया ।

सार-समाचार

अरशद हुसैन बने इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर

जयपुर। जयपुर के लिए यह गर्व का अवसर है, जब इवेंट गुरु के नाम से इवेंट इंडस्ट्री में प्रसिद्ध इवेंट प्रोफेशनल, अरशद हुसैन को एक बार फिर इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर के रूप में अगले 2 साल के लिए निर्विरोध चुना गया। यह उपलब्धि और भी खास इसलिए है क्योंकि यह पहली बार है जब किसी भारतीय को लगातार दो कार्यकाल के लिए यह वैश्विक जिम्मेदारी सौंपी गई है और वह भी गुलाबी नगर जयपुर से। हुसैन ने जब नेतृत्व संभाला था तब इवेंट मैनेजर्स डे का आयोजन सिर्फ 32 देशों तक सीमित था और अब इसका दायरा बढ़कर करीब 70 देशों तक पहुंच चुका है। इस तरह जयपुर से जुड़े एक प्रोफेशनल का नाम आज वैश्विक मंच पर पूरे सम्मान के साथ लिया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय कमेटी में 11 देशों के सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने सर्वसम्मति से अरशद को पुनः कन्वीनर चुना। इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने इस निर्णय को न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि माना, बल्कि इसे राजस्थान की इवेंट मैनेजमेंट क्षमताओं की वैश्विक पहचान के रूप में देखा जा रहा है। यह इवेंट इंडस्ट्री के लिए एक प्रेरणादायक पल है, जो आने वाली युवा पीढ़ी को भी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर आगे बढ़ने का हौसला देगा।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक आज

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती की अध्यक्षता में शनिवार को प्रातः 11 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रदेश स्तरीय "डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0" प्रदेश बैठक आयोजित की जायेगी, जिसमें मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, स्थाई आमंत्रित सदस्य, जिलाध्यक्ष एवं जिला महामंत्री उपस्थित रहेंगे बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी सम्बोधित करेंगे।

राजस्थान को "जैविक खेती राज्य" घोषित करने की मांग

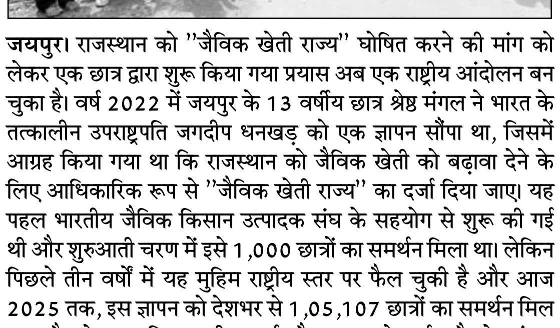

जयपुर। राजस्थान को "जैविक खेती राज्य" घोषित करने की मांग को लेकर एक छात्र द्वारा शुरू किया गया प्रयास अब एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। वर्ष 2022 में जयपुर के 13 वर्षीय छात्र श्रेष्ठ मंगल ने भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें आग्रह किया गया था कि राजस्थान को जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए आधिकारिक रूप से "जैविक खेती राज्य" का दर्जा दिया जाए। यह पहल भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ के सहयोग से शुरू की गई थी और शुरुआती चरण में इसे 1,000 छात्रों का समर्थन मिला था। लेकिन पिछले तीन वर्षों में यह मुहिम राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है और आज 2025 तक, इस ज्ञापन को देशभर से 1,05,107 छात्रों का समर्थन मिल चुका है, जो इस अभियान की गहराई और प्रभाव को दर्शाता है। श्रेष्ठ मंगल ने न केवल राजस्थान के लिए जैविक खेती की मांग की, बल्कि यह भी प्रस्ताव रखा कि कृषि को एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) के अंतर्गत लाकर उसे उद्योग का दर्जा दिया जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह एक विशेष केंद्रीय बजट और स्पष्ट रोडमैप तैयार करे, जिससे 2030 तक राजस्थान को एक मॉडल जैविक राज्य बनाया जा सके।

संसदीय कार्य मंत्री ने राजकीय महाविद्यालय झंवर के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया

- **बजट घोषणाओं की समयबद्ध धरातल पर हो रही क्रियान्विति - संसदीय कार्य मंत्री**
- **गत सत्र में ही महाविद्यालय शुरू हो गया और भवन निर्माण कार्य 4.5 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है**

जोगाराम पटेल (बीच में) ने शुक्रवार को झंवर में राजकीय महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जोधपुर / जयपुर । संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर जिले के झंवर में राजकीय महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। दूरस्थ क्षेत्रों में महाविद्यालय से बेटियों के लिए उच्च शिक्षा के खुलेंगे द्वार संसदीय कार्य मंत्री ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बजट में प्रदेशवासियों को जो ऐतिहासिक सौगातें दी है उनकी समयबद्ध धरातल पर क्रियान्विति सुनिश्चित हो रही है।

उन्होंने कहा दूरस्थ क्षेत्रों में महाविद्यालय खुलने से प्रदेश भर की बेटियों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खुलेंगे। पटेल ने कहा गत बजट में झंवर में महाविद्यालय की घोषणा हुई थी, गत सत्र में ही महाविद्यालय शुरू हो गया और भवन निर्माण कार्य 4.5 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है। उन्होंने कहा इस बजट में केरू में भी नवीन महाविद्यालय की सौगात मिली है।

बेहतर गुणवत्ता के साथ तय समयावधि में कार्य पूर्ण करें:-पटेल ने राजस्थान शहरी पेयजल सीवरेज एवं अवसंरचना निगम लिमिटेड (रुडसिको) के सहायक अभियंता राजेश व्यास को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा भवन निर्माण कार्य को बेहतर गुणवत्ता के साथ तय समयावधि पूर्ण करें।

युवाओं को प्रोत्साहित करने का माध्यम है युवा संसद : देवनानी

- **विधानसभा में युवा संसद, राजस्थान विधान सभा में तेरह राज्यों के 168 युवा जुटेंगे**
- **समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और संघ के सचिव संदीप शर्मा भी मौजूद रहेंगे**
- **विधान सभा सदन में 56 युवा निर्धारित समय में अपनी बात रखेंगे**

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर विधान सभा के सदन में तेरह राज्यों के 168 युवा देश की सुरक्षा से संबंधित अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर संवाद करेंगे। विधान सभा में शनिवार को प्रातः 10 बजे इस एक दिवसीय युवा संसद का राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष देवनानी शुभारम्भ करेंगे। समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और संघ के सचिव संदीप शर्मा भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा द्वारा आयोजित इस युवा संसद का राजस्थान विधान सभा के यू-ट्यूब चैनल पर सजीव प्रसारण किया जायेगा।

देवनानी ने बताया कि देश के दस राज्यों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तराखण्ड, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गोवा, कर्नाटक, गुजरात और तीन केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़ व नई दिल्ली के 55 विद्यालयों के कक्षा 9वीं से लेकर 12वीं तक के चयनित 168 युवा छात्र-छात्राएं आतंकवाद और पाक अधिकृत कश्मीर को खाली करवाने के प्रयासों पर संवाद कर अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों के हल का मार्ग खोजने का प्रयास करेंगे।

विधान सभा सदन में 56 युवा निर्धारित समय में अपनी बात रखेंगे। देवनानी ने बताया कि युवा संसद एक ऐसा मंच है जो छात्रों को संसदीय प्रक्रिया और लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के बारे में सिखाने के लिए आयोजित किया जाता है। यह छात्रों को राष्ट्रीय और स्थानीय मुद्दों पर बहस करने, अपने विचार व्यक्त करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर प्रदान करता है।

प्रदेश में कोटा को वृक्षारोपण में अव्वल बनाएं : विधायक कल्पना देवी

■ उत्तर नगर निगम ने दो स्थानों पर वृक्षारोपण करवाया

कोटा उत्तर नगर निगम क्षेत्र में लाडपुरा विधायक कल्पना देवी द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

कोटा, (निसं)। प्रदेश में चल रहे हरयाळो राजस्थान अभियान के तहत शुक्रवार को नगर निगम कोटा उत्तर की ओर से दो स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बारां रोड पर ग्यारह मुखी हनुमान जी मंदिर परिसर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में वृक्षारोपण के बाद लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने कहा कि प्रदेशभर में आमजन स्वत: स्फूर्त पौधारोपण के लिए आगे आकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं। कोटा जिले में भी बड़ी संख्या में लोगों का वृक्षारोपण से जुड़ना यहां के लोगों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने प्रबुद्धजन और नागरिकों को आव्हान किया कि हर गली, हर मोहल्ले, हर कॉलोनी, हर वार्ड, हर पंचायत क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधारोपण कर कोटा को हरयाळो राजस्थान अभियान में अव्वल बनाएं।

नयापुरा स्थित वोकेशनल स्कूल परिसर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अशोक सैनी और भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर अशोक सैनी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता जितनी शिद्दत से अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी निभाते हुए उतनी ही मेहनत से सामाजिक सरोकारों में भी अपना योगदान देते हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं को इसकी प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलती है जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन देश की प्रगति और देशवासियों के कल्याण को समर्पित किया है। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि पौधारोपण कर पर्यावरण की रक्षा भी एक तरह से जनसेवा ही है। हम सब सामाजिक कार्यकर्ता सिर्फ पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहें बल्कि इनको वृक्ष बनने तक सहेजें।

दोनों स्थानों पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता पंकज मेहता, सुनीता व्यास, कृष्ण कुमार सोनी, पार्षद राकेश सुमन पुटरा, देवेन्द्र शर्मा, ज्ञानेंद्र सिंह आमेरा, नन्द किशोर मेवाड़ा, मंडल अध्यक्ष मनोज गोस्वामी, संजय समीर सैनी, चंद्रप्रकाश महावर, रितेश चितौड़ा, प्रदीप बोहरा, अर्चना शर्मा, रेखा खेलवाल, रेखा शर्मा, चन्द्रप्रकाश महावर, राजेन्द्र अग्रवाल, चमन केलवा, जयदेव सुखेजा, सोनिया राठौर, देवेन्द्र राही, समीर सैनी, दौलतराम मेघवाल, बाबा गोविन्द दास, योगेश दुबे, इकबाल सिंह बराड़, निर्मल सिंह बराड़, अतिरिक्त आयुक्त जवाहर लाल जैन, अधीक्षण अभियंता कुलदीप प्रेमी आदि उपस्थित रहे।

घरों में नलों से पहुंच रहा गंदा पानी, बीमारी की आशंका बढ़ी

छबड़ा (निसं)। शहर की कई कॉलोनियों में नागरिकों को गंदा पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। पानी इतना गंदा है कि उसमें दुर्गंध आ रही है और स्वाद भी बदल गया है, जिससे जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। यह समस्या पिछले तीन चार दिनों से बनी हुई है। मोती कॉलोनी निवासी एडवोकेट बालमुकुंद खंडेलवाल, एडवोकेट राकेश सोनी, श्रीराम कॉलोनी निवासी रमेशचंद्र प्रजापति ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मटमैला पानी की आपूर्ति हो रही है। शुक्रवार को तो सुबह-सुबह गंदे पानी को देखकर लोगों में रोष पनप गया। पानी ऐसा था कि बिना उसे उबाल कर नहीं पीया जा सकता। यहां की अधिकांश कॉलोनी सहित मोहल्लों में नलों में मटमैला और बदबूदार पानी आने से लोगों में रोष है। नलों में गंदा पानी आने से लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मजबूरन लोग गंदे पानी को ही पीने पर मजबूर है। लोगों में यह डर है कि अगर ऐसे मटमैले पानी का वे उपयोग करेंगे, तो कई प्रकार की बीमारी हो सकती है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

कोटा, (निसं)।रानपुर थानाधिकारी रामविलास मीणा ने बताया कि केबल नगर निवासी इरफान (29) जो 27 जुलाई को मोटसाईकिल से एरोड्रम सर्किल से केबल नगर घर की ओर जाते समय जगपुरा चौकी के समीप सामने से एक मोटरसाईकिल सवार गलत साईड से आ गया। थानाधिकारी ने बताया कि मोटरसाईकिल सवार इरफान सामने से आ रही अन्य मोटसाईकिल सवार से टकरा गया। हादसे में घायल इरफान को उपचार के लिये कोटा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और हादसे की सूचना परिजनों को दी गई। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में घायल इरफान की उपचार के दौरान मौत हो गई।

कार्यालय नगर पालिका छबड़ा जिला बारां

क्रमांक:-न.पा.छ./2025/3651 दिनांक:-01.08.25

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्ति द्वारा राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 "क" की उपधारा (B) के अधीन स्थानीय प्राधिकारी के न्यायधीश रखी गई भूमि का नियमितिकरण और आवंटन हेतु अधिसूचना क्रमांक एफ 3 (50) यूडीएच/3/2012 मई 31, 2012 के अध्याय 3 के बिन्दु सं. 16 के प्रावधानों के अन्तर्गत राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 2012 के 22 अन्तर्गत नियमितिकरण/आवंटन हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज प्रमाण के 07 दिवस की अवधि में इस कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर दें। समयावधि गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	आवेदक/हितबद्ध व्यक्ति का नाम	खसरा सं.	स्थान/कालोनी का नाम	भूखंड सं.	क्षेत्रफल
1	श्री अब्दुल हामिद खान आत्मज श्री अब्दुल हफीज खान जाति मुसलमान निवासी छबड़ा तह. छबड़ा जिला (बारां)	715, 718	बल्लभ नगर कालोनी	65	25x67=1675 वर्गफीट

नोट:- उक्त भूखंड अनुमोदित योजना के ले-आउट प्लान की सीमा से बाहर होने व मास्टर प्लान 2023 में दर्शित भू-उपयोग से भिन्न होने की स्थिति में पत्रावली निरस्त कर दी जावेगी।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका छबड़ा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/829 **विज्ञप्ति** दिनांक:-31.7.2025

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम मानपुरा में स्थित कृषि भूमि योजना अंजली विस्तार भूखंड संख्या 85-ए खसरा नं. 209 आवेदक/आवेदिका श्री अंकुर पांडे पुत्र श्री वीरेन्द्र पांडे निवासी म.नं. 41 शक्ति विहार बोरखेडा कोटा द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। भूखंड संख्या 85 क्षेत्रफल 110.82 का पट्टा क्रमांक 3878 दिनांक 22.11.2022 को श्री भुवनेश्वरी यादव उर्फ भुवनेश्वरी कामेलिया पत्नी श्री योगेश यादव के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखंड का उपविभाजन समिति के आदेश क्रमांक एफ-7/डी.टी.पी./2024/1500 दिनांक 06.12.2023 से भूखंड संख्या 85 का उप विभाजन भूखंड संख्या 85-ए ऐरिया 56.28 वर्गमीटर, भूखंड संख्या 85-बी ऐरिया 54.54 वर्गमीटर के रुप में किए जाने का निर्णय लिया गया है। पट्टाधारी द्वारा भूखंड संख्या 85-ए क्षेत्रफल 56.28 वर्गमीटर का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 22.02.2024 को जर्ये मुख्तारआम श्रीमती पवन आहूजा पत्नी श्री धमेन्द्र आहूजा द्वारा आवेदक के पक्ष में किया गया है।

अत: श्री अंकुर पांडे पुत्र श्री वीरेन्द्र पांडे के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/828 **विज्ञप्ति** दिनांक:-31.7.2025

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम मानपुरा में स्थित कृषि भूमि योजना अंजली विस्तार भूखंड संख्या 85-बी खसरा नं. 209 आवेदक/आवेदिका श्री कन्हैया लाल प्रजापत पुत्र श्री नोरतमल प्रजापत निवासी कुम्हारों का तला, बोराज, जयपुर हाल निवासी डी-4 गोकुल कालोनी बोरखेडा कोटा द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। भूखंड संख्या 85 क्षेत्रफल 110.82 का पट्टा क्रमांक 3878 दिनांक 22.11.2022 को श्री भुवनेश्वरी यादव उर्फ भुवनेश्वरी कामेलिया पत्नी श्री योगेश यादव के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखंड का उपविभाजन समिति के आदेश क्रमांक एफ-7/डी.टी.पी./2024/1500 दिनांक 06.12.2023 से भूखंड संख्या 85 का उप विभाजन भूखंड संख्या 85-ए ऐरिया 56.28 वर्गमीटर, भूखंड संख्या 85-बी ऐरिया 54.54 वर्गमीटर के रुप में किए जाने का निर्णय लिया गया है। पट्टाधारी द्वारा भूखंड संख्या 85-बी क्षेत्रफल 54.54 वर्गमीटर का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 20.02.2024 को जर्ये मुख्तारआम श्री धमेन्द्र कुमार आहूजा पुत्र श्री लक्ष्मणदास द्वारा आवेदक के पक्ष में किया गया है।

अत: श्री कन्हैया लाल प्रजापत पुत्र श्री नोरतमल प्रजापत के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/837 **विज्ञप्ति** दिनांक:-1.8.2025

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम बालिता में स्थित कृषि भूमि योजना मेपल पार्क खसरा नं. 233 में स्थित भूखंड संख्या 35 आवेदक/आवेदिका श्रीमती पूजा शर्मा पत्नी श्री मयंक शर्मा निवासी 514 रानी लक्ष्मी बाई वाटिका के पास बसंत विहार दादाबाड़ी कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 1736 दिनांक 01.11.2022 को श्री बृजेश योगी पुत्र श्री लाल योगी के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 09.05.2025 को जर्ये मुख्तारआम देवराज गुर्जर पुत्र श्री भवाना गुर्जर द्वारा आवेदिका के पक्ष में किया गया है।

अत: श्रीमती पूजा शर्मा पत्नी श्री मयंक शर्मा के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

अवैध शराब का कारखाना पकड़ा

झालावाड़, (निसं)। झालावाड़ जिले के डग क्षेत्र में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से देसी शराब बनाने का एक कारखाना पकड़ा है। कारखाने से बड़ी तादाद में अवैध शराब बनाने की सामग्री जप्त की गई है। अवैध रूप से शराब बनाए जाने का यह कारखाना फतेह सिंह नामक व्यक्ति के खेत में संचालित किया जा रहा था जहां दबिश देकर पुलिस ने भारी तादाद में अवैध शराब से संबंधित माल भी पकड़ा है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पुलिस थाना उन्हैल व डग द्वारा अवैध देशी शराब तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये लुहारिया के माल में फतेसिंह पुत्र बालू सिंह जाति सौंधिया राजपूत निवासी लुहारिया के खेत पर मकान में चल रहे अवैध देशी शराब के कारखाना पकड़ा गया है। कारखाने पर छापेमारी की कार्यवाही के दौरान अवैध देशी शराब बनाने की सामग्री, 500 लीटर स्प्रीट, केमिकल के दो ड्रम, 6000 खाली पव्वे, 6000 पव्वो के ढक्कन, एक पव्वा पैक करने की मशीन, 3000 स्टीकर, ग्लोबल नॅबूं स्पेशल देशी शराब के 800 लैबल, 30 पानी के कैम्पर, एक यूरिया उर्वरक से भरा प्लास्टिक का कट्टा, 1870 कार्टून्स बनाने के गत्ते, एक मोहर ग्लोबल स्प्रीट लिमिटेड बहरोड़, तथा एक जनरेटर को जप्त किया।

जन्म के प्रथम घंटे का स्तनपान शिशु के लिए वरदान : डॉ. संगीता सक्सेना

कोटा मेडिकल प्राचार्या डॉ. संगीता सक्सेना ने स्तनपान सप्ताह के कार्यक्रम को संबोधित किया।

कोटा, (निसं)। शिशु के जन्म के पहले घंटे में माँ का दूध पिलाना बच्चे के जीवन के लिए एक अमूल्य वरदान है। यह न केवल शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि उसे शारीरिक व मानसिक रूप से अधिक स्वस्थ और आत्मविश्वास से भरपूर बनाता है। यह बात मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. संगीता सक्सेना ने शुक्रवार को रोटरी बिनानी सभागार में स्तनपान सप्ताह के शुभारंभ समारोह में कही। यह आयोजन बीपीएनआई और भारतीय शिशु अकादमी हाड़ौती सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ.सी.बी.दास गुप्ता ने बताया कि परिवार द्वारा माँ को हर स्तर पर सपोर्ट करना होगा। एक सर्वे के अनुसार देश में शिशु जन्म के उपरांत छह महीनों तक स्तनपान करने वालो बच्चों की संख्या 64 फीसदी है। छह माह बाद ऊपरी आहार लेने वाले बच्चों की संख्या 46 फीसदी है और दो वर्ष तक सम्पूर्ण रूप से पोषण प्राप्त करने वाले बच्चों की संख्या 11.5 फीसदी ही है, जो आंकड़ा चिंताजनक है। स्तनपान करने वाली माताओं को हर स्तर पर समर्थन व सहयोग एवं सकारात्मक माहौल की आवश्यकता है। उन्होंने बच्चे के स्तनपान से जीवन में होने वाले पर लाभ पर चर्चा करते कहा कि इससे शिशु की कुपोषण, मोटापे, सूखा रोग, निमोनिया, शुगर व ब्लड प्रेशर जैसे रोगों से भी दूर रहता है। कार्यक्रम में डॉ.कमल वार्ष्णेय (अध्यक्ष, आईएपी), डॉ.अविनाश बंसल, डॉ.नवनीत बागला, रोटरी क्लब अध्यक्ष मनोज सोनी व सचिव नीरज अग्रवाल सहित कई गणमान्य अतिथि अपने भी विचार रखे।

इसमें रोटरी क्लब कोटा, रोटरी पदमिनी व लायंस क्लब कोटा टेक्नो सहित कई संस्थाओं का सहयोग रहा।

कार्यक्रम के सह-संयोजक यज्ञदत्त हाड़ा, डॉ.एकात्म गुप्ता व समाजसेवी भुवनेश गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष स्तनपान सप्ताह की वैश्विक थीम 'स्तनपान को प्राथमिकता-स्थायी सहायता प्रणाली विकसित करें' रखी गई है, जो इस दिशा में सामाजिक सहयोग व निरंतर समर्थन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। डॉ.सक्सेना ने कहा कि माँ का दूध सर्वोत्तम आहार है, जो हमेशा उपलब्ध रहता है।

नवजात को पहला पीला गाढ़ा दूध (कोलोस्ट्रम) पिलाना बेहद आवश्यक है, जो प्राकृतिक वैक्सीन की तरह कार्य करता है। साथ ही, दो वर्ष तक स्तनपान कराने से माँ को स्तन कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी बहुत कम हो जाता है। इस अवसर पर स्तनपान जागरूकता से जुड़े विभिन्न गतिविधियों, पोस्टर प्रदर्शनी, एवं संवाद सत्रों का भी आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य माताओं और परिवारों को स्तनपान के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाना था। कार्यक्रम का संचालन यज्ञदत्त हाड़ा ने किया।

जिला कलेक्टर ने केंद्रीय कारागृह का निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। जिला कलक्टर एवं मजिस्ट्रेट पीयूष समारिया शुक्रवार को केंद्रीय कारागृह पहुंचे। केंद्रीय कारागृह पहुंचने पर समारिया को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

जिला कलेक्टर ने केंद्रीय कारागृह में बंदियों की बैरकों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने बंदियों के लिए बने कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र, पुस्तकालय, रसोई-घर का भी अवलोकन किया।

उन्होंने बंदियों को दिए जाने वाले भोजन, उनको मिलने वाली मेडिकल सुविधाओं आदि के बारे में केंद्रीय कारागृह अधीक्षक राजेंद्र कुमार से जानकारी ली।

जिला कलक्टर ने बंदियों की सुरक्षा के संबंध में सतर्कता बरतने एवं जेल परिसर सहित रसोई-घर आदि की सफाई रखने के निर्देश दिए। केंद्रीय कारागृह अधीक्षक ने बंदियों के परिजनों से वार्ता एवं शिकायत दर्ज करने संबंधी सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की।

कोटा जिला कलेक्टर ने कारागृह का निरीक्षण किया।

शोक भरे माहौल में नेत्रदान सम्पन्न

कोटा, (निसं)। कोटा के शास्त्री नगर दादाबाड़ी निवासी चंद्रप्रकाश गुप्ता (गोयल) के मरणोपरांत उनका नेत्रदान आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा करवाया गया।

अध्यक्ष डॉ.के.के.कंजोलिया ने बताया कि चंद्रप्रकाश गुप्ता (गोयल) की मृत्यु की सूचना प्राप्त होने के बाद उनके पुत्र रजनीश की सहमति से नेत्रदान सम्पन्न हुआ। ज्योत मित्र सचिव सुरेश सेडवाल ने बताया कि स्वाभाविक मृत्यु हो गई थी। ईबीएसआर के टेक्नीशियन टिंकू ओझा ने उनके स्वनिवास पर उपरान्त परिजनों से वार्ता कर नेत्रदान प्रक्रिया सम्पन्न की गई।

नेत्रदानी चंद्रप्रकाश गुप्ता अपने जीवन के 76 बसंत देख चुके थी। आई बैंक सोसायटी के टेक्नीशियन टिंकू ओझा ने नेत्रदान प्रक्रिया को पूरा किया गया। डॉ.के.के.कंजोलिया ने स्व.विद्या सिंघल के परिवार को इस पुण्य कार्य हेतु हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की एवं अन्यों की जिन्दगी रोशन करने के प्रयास को समाज के लिए अनुकरणीय बताया।

आम सूचना

मेरे पक्षकार सेटीन हाउसिंग फाईनेंन्स लिमिटेड की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती शबाना पत्नी वसीम निवासी 1-जे-8, संजय गांधी नगर, कोटा (राज.) ने अपने स्वामित्व के मकान नम्बर 7-ई-75 ब्लॉक 7ई, विज्ञान नगर विस्तार योजना, कोटा (राज.) को मोरगेज रख मेरे मेरे पक्षकार के यहां से ऋण लिया जा रहा है। उक्त मकान के आवंटन निरस्तीकरण पत्र क्रमांक 3282 दिनांक 02.09.2024 तथा नियमितीकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 3394 दिनांक 09.09.2024 असल पूर्व में गुम हो चुके है जो काफी तलाश करने पर भी नहीं मिले है जिसके संबंध में एक ऑनलाईन गुमशुदगी रिपोर्ट भी दिनांक 11.06.2025 एलआर नम्बर 279406/2025 अब्दुल हमीद द्वारा दर्ज करवायी हुई है। उक्त मकान या दस्तावेज बाबत बाबत किसी भी व्यक्ति, बैंक या संस्था या अन्य किसी को भी किसी भी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप हो तो निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता को अंदर मियाद 07 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जावेगी।

दिनांक 01.08.2025

भवदीय
राजेन्द्र सिंह एडवोकेट
386, माला रोड़, कोटा जं.

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कोटा खण्ड कोटा

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 के अधीन नोटिस समस्त संबंधित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 72/2025

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री धनराज पुत्र श्री हरिशंकर पांचाल ग्राम लसाडिया खुर्द तह. सांगोद जिला कोटा द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (2) के अंतर्गत प्रन्यास "मन्दिर श्री बालकिशन जी महाराज" वाके ग्राम लसाडिया खुर्द तहसील सांगोद जिला कोटा के संबंध में पंजीयन हेतु जांच किए जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

और सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 25.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया। प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 02.10.2025 है।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग कोटा

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांक:-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2024/5884 दिनांक: 1.8.25

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुधा गुप्ता पत्नी स्व. श्री आर.सी. गुप्ता एवं श्री सचिन गुप्ता पुत्र स्व. श्री आर.सी. गुप्ता निवासी-सी-107 तलवण्डी कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण भूखंड संख्या-सी-107 तलवण्डी कोटा (राज.) नगर निगम कोटा लीज डीड हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। भूखंड संख्या-सी-107 तलवण्डी क्षेत्रफल-2100 वर्गफुट का कार्यालय नगर निगम कोटा के कार्यालय नगर विकास न्यास कार्यालय के आदेश क्रमांक : एफ 11/107/वि./तलवण्डी/02/961-962 दिनांक 26.12.2002 से श्रीमती सुधा गुप्ता पत्नी स्व. श्री आर.सी. गुप्ता एवं श्री सचिन नाबालिग पुत्र स्व. श्री आर.सी. गुप्ता के नाम नाम हस्तांतरण किया गया है। श्रीमती सुधा गुप्ता पत्नी स्व. श्री आर.सी. गुप्ता एवं श्री सचिन गुप्ता पुत्र स्व. श्री आर.सी. गुप्ता के नाम लीज डीड की कार्यवाही की जानी है।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय नगर निगम, कोटा-दक्षिण, कोटा, राजस्थान

क्रमांक:-5883 **स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति** दिनांक: 1.8.25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुरेश कुमार भावनानी पुत्र श्री रेवा चंद निवासी-60 बी सिंधी स्कूल के सामने गुमानपुरा कोटा द्वारा भूखंड संख्या-60 बी सिंधी स्कूल के सामने गुमानपुरा कोटा क्षेत्रफल 840 वर्गफुट का नाम हस्तांतरण कराने हेतु नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदित मूल भूखंड संख्या-60 सिंधी स्कूल के सामने गुमानपुरा कोटा क्षेत्रफल 2000 वर्गफुट का भारत सरकार के पुर्नवास मंत्रालय के रीजनल सेटलमेंट कमीश्नर राजस्थान द्वारा जिसका पट्टा विलेख दिनांक 14.02.1966 को श्री रेवा चन्द पुत्र श्री गिरधारी लाल को किया गया है। श्री रेवा चन्द पुत्र श्री गिरधारी लाल की मृत्यु दिनांक 29.01.1994 को हो चुकी है। श्रीमती किक्की बाई पत्नी श्री रेवा चन्द की मृत्यु दिनांक 18.07.2006 को हो चुकी है। श्री जयदेव भावनानी पुत्र श्री रेवा चन्द की मृत्यु दिनांक 29.06.1992 को हो चुकी है। श्री श्याम बिहारी भावनानी पुत्र श्री रेवा चन्द की मृत्यु दिनांक 10.10.1988 को हो चुकी है। उनकी मृत्यु उपरांत उनके शेष विधिक वारिसान श्री चन्द्रप्रकाश भावनानी पुत्र स्व. श्री रेवा चन्द, श्री आशीष भावनानी पुत्र स्व. श्री श्याम बिहारी भावनानी, श्रीमती शारदा बालानी पत्नी श्री मोहन लाल बालानी, सुश्री रीमा भावनानी पुत्री स्व. श्री श्याम बिहारी भावनानी, श्री कुंज बिहारी भावनानी पुत्र स्व. श्री रेवा चन्द, श्रीमती मीरा भावनानी पत्नी स्व. श्री जयदेव भावनानी, श्री अमरीश भावनानी पुत्र स्व. श्री जयदेव भावनानी एवं श्रीमती शिल्पा भावनानी पत्नी श्री उमेश भावनानी ने अपना हक श्री सुरेश कुमार भावनानी एवं रुपचन्द भावनानी पुत्र श्री रेवा चंद के पक्ष में पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 04.07.2012 से त्याग दिया है। श्री सुरेश कुमार भावनानी एवं रुपचन्द भावनानी पुत्र श्री रेवा चंद ने एक पंजीकृत बंटवारा नामा दिनांक 27.01.2015 को तैयार किया जिसमें पूर्वी व पश्चिम साईड के 840 वर्गफुट का भाग जिसमें भूतल 840 वर्गफुट व प्रथम तल 840 वर्गफुट व द्वितीय तल 840 वर्गफुट पर प्राप्त हुई है। उक्त क्षेत्र श्री सुरेश कुमार भावानानी पुत्र श्री रेवा चन्द के पक्ष में नाम हस्तांतरण किया जाना है।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तान्तरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी। उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

जन्म प्रमाणपत्र अभाव में नहीं हुआ नामांकन तो निगम ने घर-घर जाकर बनाए जन्म प्रमाणपत्र

■ शिक्षा विभाग के यू-डाइस पोर्टल पर जन्म प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण नामांकन नहीं हो पा रहा था

■ घरों पर जन्म होने के कारण जानकारी के अभाव में बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र नहीं बने हुए थे

कोटा दक्षिण नगर निगम द्वारा 87 बच्चों को जन्म प्रमाण पत्र वितरित किये गये हैं।

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा दक्षिण क्षेत्र के रथकांकरा गांव के राजकीय विद्यालय में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चों का शिक्षा विभाग के यू-डाइस पोर्टल पर जन्म प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण नामांकन नहीं हो पा रहा था। घरों पर जन्म होने के कारण जानकारी के अभाव में उक्त बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र नहीं बने हुए थे।

नगर निगम कोटा दक्षिण आयुक्त अनुराग भार्गव ने प्रकरण संज्ञान में आने के बाद विशेष अभियान चलाकर ऐसे बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए राजकीय विद्यालय रथकांकरा में कैम्प आयोजित किया। जाकर जन्म प्रमाण पत्र के लिए वांछित दस्तावेज लिए गये एवं कैम्प में जन्म प्रमाण पत्र संबंधित दस्तावेज जमा करवाने से वंचित रहे बच्चों का घर-घर जाकर दस्तावेज एकत्र कर 10 नं. फार्म की जरूरी कार्यवाही करते हुए जन्म प्रमाण पत्र बनाने की कार्यवाही की। इसी क्रम में नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा शुक्रवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रथकांकरा में जन्म प्रमाण पत्र वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कोटा नगर निगम कोटा दक्षिण महापौर राजीव अग्रवाल द्वारा 87 बच्चों को जन्म प्रमाण पत्र वितरित किये गयें एवं ग्रामवासियों को अपने व बच्चों से संबंधित दस्तावेजों को समय पर बनवाये जाने के लिए प्रेरित किया।

जन्म प्रमाण पत्र वितरण करने के पश्चात महापौर द्वारा विद्यालय एवं आस-पास के क्षेत्र में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम आयुक्त अनुराग भार्गव, उपायुक्त दयावती सैनी, अधीक्षण अभियंता महेशचन्द गोयल, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रुकमणी नागर, अध्यापिका स्नेहलता शर्मा, कमलेश मीणा, भारती हाड़ा, एसएमसी अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा, समाजसेवी संदीप वार्ष्णेय, वरिष्ठ ग्रामवासी सेवाराम, नारायण, प्रहलाद, आंगनबाड़ी के कार्यकर्ता, ग्रामवासी एवं निगम के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर निगम, कोटा-दक्षिण, कोटा, राजस्थान

क्रमांक:-5882 **स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति** दिनांक: 1.8.25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रुपचन्द भावनानी पुत्र श्री रेवा चंद निवासी-60 ए सिंधी स्कूल के सामने गुमानपुरा कोटा द्वारा भूखंड संख्या-60 ए सिंधी स्कूल के सामने गुमानपुरा कोटा क्षेत्रफल 1160 वर्गफुट का नाम हस्तांतरण कराने हेतु नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदित मूल भूखंड संख्या-60 सिंधी स्कूल के सामने गुमानपुरा कोटा क्षेत्रफल 2000 वर्गफुट का भारत सरकार के पुर्नवास मंत्रालय के रीजनल सेटलमेंट कमीश्नर राजस्थान द्वारा जिसका पट्टा विलेख दिनांक 14.02.1966 को श्री रेवा चन्द पुत्र श्री गिरधारी लाल को किया गया है। श्री रेवा चन्द पुत्र श्री गिरधारी लाल की मृत्यु दिनांक 29.01.1994 को हो चुकी है। श्रीमती किक्की बाई पत्नी श्री रेवा चन्द की मृत्यु दिनांक 18.07.2006 को हो चुकी है। श्री जयदेव भावनानी पुत्र श्री रेवा चन्द की मृत्यु दिनांक 29.06.1992 को हो चुकी है। श्री श्याम बिहारी भावनानी पुत्र श्री रेवा चन्द की मृत्यु दिनांक 10.10.1988 को हो चुकी है। उनकी मृत्यु उपरांत उनके शेष विधिक वारिसान श्री चन्द्रप्रकाश भावनानी पुत्र स्व. श्री रेवा चन्द, श्री आशीष भावनानी पुत्र स्व. श्री श्याम बिहारी भावनानी, श्रीमती शारदा बालानी पत्नी श्री मोहन लाल बालानी, सुश्री रीमा भावनानी पुत्री स्व. श्री श्याम बिहारी भावनानी, श्री कुंज बिहारी भावनानी पुत्र स्व. श्री रेवा चन्द, श्रीमती मीरा भावनानी पत्नी स्व. श्री जयदेव भावनानी, श्री अमरीश भावनानी पुत्र स्व. श्री जयदेव भावनानी एवं श्रीमती शिल्पा भावनानी पत्नी श्री उमेश भावनानी ने अपना हक श्री सुरेश कुमार भावनानी एवं रुपचन्द भावनानी पुत्र श्री रेवा चंद के पक्ष में पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 04.07.2012 से त्याग दिया है। श्री सुरेश कुमार भावनानी एवं रुपचन्द भावनानी पुत्र श्री रेवा चंद ने एक पंजीकृत बंटवारा नामा दिनांक 27.01.2015 को तैयार किया जिसमें पश्चिम साईड के 1160 वर्गफुट का भाग जिसमें भूतल पर डाईनिंग व खुला चौक व लेट बाथ निर्मित है। प्रथम तल पर 5 कमरे व डाईनिंग किचन, लेट बाथ बने हुए है। उक्त क्षेत्र श्री रुपचन्द भावनानी पुत्र श्री रेवा चन्द के पक्ष में नाम हस्तांतरण किया जाना है।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तान्तरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी। उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

हम वतन कोनेरू हम्पी के खिलाफ फिडे महिला विश्व कप फाइनल खेलते समय उन पर किसी भी तरह का दबाव नहीं था क्योंकि उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं था।
- दिव्या देशमुख

भारतीय शतरंज खिलाड़ी, महिला विश्वकप जीतने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रिंकू सिंह

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह को बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत बीएसए पद पर नियुक्ति में उनकी शैक्षिक योग्यता आड़े आ रही है, जिसके चलते उनकी फाइल रोक दी गई है। इस बारे में विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आगे जो भी निर्देश होंगे, उस आधार पर कदम उठाए जाएंगे। खेलों के लिए सुविधाओं के विकास और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन को प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। विगत आठ सालों में एक तरफ ग्रामीण स्तर तक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है तो दूसरी तरफ पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानजनक पुरस्कार राशि देने के साथ उन्हें सरकारी नौकरी की सुविधा दी जा रही है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने इस सीरीज में कुल तीन हजार एक सौ अठानवे रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका का रिकॉर्ड तोड़ा है।

सिराज और कृष्णा ने इंग्लैंड को 247 रन पर रोका

हैरी ब्रूक व जायसवाल ने खेली अर्द्धशतकीय पारी, भारत का स्कोर 75/2

लंदन, 1 अगस्त। ओवल टेस्ट का दूसरा दिन भारतीय टीम के नाम रहा। शुक्रवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम इंडिया ने अंठोजों पर 52 रन की बढ़त बना ली है। स्टंप्स तक भारत ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 75 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल 51 और नाइट वॉचमैन आकाश दीप 4 रन के स्कोर पर नाबाद लौटे।

साउथ लंदन स्थित द ओवल मैदान पर चल रहे मैच में इंग्लैंड ने पहली पारी में 23 रन की बढ़त बनाई थी। टीम 247 रन पर ऑलआउट हो गई। ओपनर जैक क्रॉली ने 64, हैरी ब्रूक ने 53 और बेन डकेट ने 43 रन बनाए। भारत से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को 4-4 विकेट मिले। एक विकेट आकाश दीप के खाते में आया। क्रिस वोक्स चोट के कारण बैटिंग करने नहीं उतरे। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की (चार-चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को तीसरे सत्र में 247 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया। हालांकि इंग्लैंड को 23 रनों की मामूली बढ़त हासिल ले ली है।

चायकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड का आठवां विकेट गस ऐटकिंस (11) के रूप में गिरा। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया। 247 के स्कोर पर सिराज ने हैरी ब्रूक को बोल्ड कर इंग्लैंड की पारी का अंत किया। हैरी ब्रूक ने 64 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 53 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। चोटिल क्रिस वोक्स बल्लेबाजी के लिए नहीं आये। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज 16.2 ओवर में 86 रन देकर चार विकेट लिये।

वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने 16 ओवर में 62 रन देकर चार विकेट झटके। एक बल्लेबाज को आकाश दीप ने आउट किया। इससे पहले सुबह के सत्र में भारत को पहली पारी में 224 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड ने बैजबाल अंदाज में तूफानी शुरुआत की। उसके दोनों ओपनरों ने 12.5 ओवरों में 92 रन की शानदार शुरुआत कर डाली। लेकिन दूसरे सत्र में भारत ने छह विकेट लेकर शानदार वापसी की।

आकाश दीप के जोश भरे जश्न ने सबका ध्यान खींचा

लंदन, 1 अगस्त। आकाश दीप के जोश भरे जश्न ने आज द ओवल में रौनक बिखेर दी, जब भारतीय तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को एक तेज गेंद पर आउट किया और उसके बाद एक ऐसा जश्न मनाया जिसने सबका ध्यान खींचा। यह घटना पांचवें और अंतिम टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड की पारी के 13वें ओवर में हुई। डकेट ने एक साहसी रिवर्स स्कूप की कोशिश की और गेंद किनारे से लगकर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के पास पहुंच गई, जिसके बाद आकाश दीप ने जश्न मनाया, आउट हो रहे बल्लेबाज की ओर बढ़े और उसके सामने ही मुट्ठी बांधी, फिर उसके कंधे पर हाथ रखकर कुछ विदाई शब्द कहे। केएल राहुल ने गेंदबाज को धीरे से दूर खींचकर मामला बिगड़ने से रोका। हालांकि यह जश्न आक्रामक से ज्यादा जोश भरा लग रहा था, लेकिन इसकी तीव्रता के कारण मैच अधिकारियों की नजर इस पर पड़ सकती है। डकेट के 38 गेंदों पर 43 रन बनाकर आउट होने से जैक क्रॉली के साथ उनकी 92 रनों की ओपनिंग साझेदारी टूट गई और इंग्लैंड की सहज शुरुआत में भारत को पहली सफलता मिली। इस सलामी बल्लेबाज़ की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल थे, जिससे इंग्लैंड ने सिर्फ 13.1 ओवर में 93/1 रन बना लिए।

शार्दुल ठाकुर करेंगे पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी

मुम्बई, 1 अगस्त। पश्चिम क्षेत्र चयन समिति ने शुक्रवार को आगामी दलीप ट्रॉफी मैचों के लिए शार्दुल ठाकुर को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया है। बीकेसी स्थित एमसीए की शरद पवार इंडोर क्रिकेट अकादमी में आज हुई चयन बैठक के बाद शार्दुल ठाकुर को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की गई। टीम में मुंबई के सात खिलाड़ी, गुजरात के चार, महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के दो-दो खिलाड़ी को जगह दी गई हैं। टीम में ठाकुर के अलावा मुंबई के बड़े नामों में यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर और सरफराज खान शामिल हैं। महाराष्ट्र के रुतुराज गायकवाड़ भी टीम का हिस्सा हैं। अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को टीम में जगह नहीं मिली है।

भारतीय टीमों ने लंदन 2026 विश्व टेबल टेनिस चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया

कोलकाता, 1 अगस्त। भारत की पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीमों ने काठमांडू के राष्ट्रीय टेबल टेनिस केंद्र में आयोजित 2025 दक्षिण एशिया क्षेत्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद, लंदन में 2026 विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीटीसी) के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रत्येक लिंग के लिए केवल 16 प्रतिष्ठित एशियाई कोटा स्थान उपलब्ध होने के कारण, दांव बहुत ऊंचा था। मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया के चार क्षेत्रीय चैंपियनों ने डब्ल्यूटीटीसी के लिए सीधे क्वालीफाई किया - जो अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक है। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने आज कहा, भारतीय टीमों ने अपनी गहराई और दबदबे का प्रदर्शन करते हुए, अपनी जगह पक्की करने में कोई गलती नहीं की। दोनों भारतीय टीमें पांच देशों के राउंड-रॉबिन प्रारूप में अपराजित रहीं, जिससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में उनकी श्रेष्ठता और पुष्ट हुई।

वोक्स टेस्ट के बाकी मैच से बाहर

लंदन, 1 अगस्त। क्रिस वोक्स ओवल में पहले दिन लगाए गए डाइव के दौरान अजीब तरह से जमीन पर गिरने के बाद अपने बाएं कंधे में चोट लगा बैठे जिसके बाद वह बाकी मैच से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को दूसरे दिन के खेल से पहले एक बयान में कहा, इस समय, इस चोट के कारण वह आगे टेस्ट मैच में भाग नहीं ले पाएंगे। वोक्स को भारत की पहली पारी के 57वें ओवर में क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लगी थी। उन्होंने मिड-ऑफ से गेंद का पीछा किया और डाइव लगाकर गेंद को वापस रस्सियों के अंदर खींच लिया। लेकिन वह अजीब तरह से जमीन पर गिरे और तुरंत ही अपना बायां कंधा पकड़े हुए दिखाई दिए। इंग्लैंड, जो पहले से ही इस मैच में बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर की सेवाओं से वंचित है, के पास अब केवल तीन तेज गेंदबाज़ी विकल्प होंगे - जोश टंग, गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन। लेकिन उन्होंने भारत को पहली पारी में 224 रन पर समेट दिया । वोक्स, जिन्होंने सभी पांचों टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया है, पूरी सीरीज में इंग्लैंड के लिए एक बेहतरीन गेंदबाज़ रहे हैं। उन्होंने 181 ओवर फेंके - दोनों टीमों में किसी और से ज्यादा और 11 विकेट लिए।

आरसीए सीनियर वर्ग फिटनेस स्किल सेशन (यो-यो) शुरू

जयपुर 1 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई की आगामी सीनियर राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिता की पूर्व तैयारी के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आज से जयपुर में राज्य के सीनियर खिलाडियों (पुरुष) का फिटनेस स्किल सेशन (यो-यो) आयोजित किया जा रहा है। आज पहले दिन लगभग 40 खिलाडियों ने आरसीए द्वारा आयोजित किये जा रहे फिटनेस स्किल सेशन (यो-यो) में आरसीए की सीनियर टीम के फिजियो मगन सिंह, ट्रेनर राम सैनी व आरसीए अंडर 23 टीम के ट्रेनर अखिल गर्ग के निर्देशन में भाग लिया।

प्रशिक्षक बनने के लिए देनी होगी परीक्षा : डॉ. नीरज कुमार पवन

ओलंपिक 2036 के लक्ष्य को लेकर प्रशिक्षकों की नियुक्ति

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान में पहली बार राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा चार नये खेलों को प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया गया है। घुड़सवारी, क्याकिंग एण्ड कैनोइंग, योगा और मलखम्भ के खेलों के प्रशिक्षको की भर्ती की जायेगी। इससे पहले कभी भी इन खेलों के प्रशिक्षक परिषद में कार्यरत नहीं थे, लेकिन अब राज्य के विभिन्न स्थानों पर इन खेलों के प्रशिक्षक शीघ्र ही कोचिंग देते नजर आयेगें।

डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने कहा कि इनमें कई खेल ओलम्पिक में शामिल है। इन खेलों के प्रशिक्षको की भर्ती करने से वर्ष 2036 ओलम्पिक खेलों में राजस्थान के खिलाडियों को भी तैयारी का पूर्ण मौका मिलेगा। क्याकिंग एण्ड कैनोइंग का उदयपुर में अच्छा स्कोप जबकि मलखम्भ और योगा तो पूरे भारत में खेले जा रहे है। घुड़सवारी के लिए किसी प्राईवेट क्लब से टाईअप करके खिलाडियों को कोचिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी।

उन्होने बताया कि विभिन्न खेलों में 140 प्रशिक्षको की नियुक्ति की जायेगी। स्वीकृत पदो मे सर्वाधिक पद 18 एथलेटिक्स के है। इसके अलावा कुश्ती के 4, हॉकी के 8, तीरन्दाजी के 7, बास्केटबॉल के 15, वॉलीबॉल एवं कबड्डी के 7-7, फुटबॉल के 9, हैण्डबॉल के 8, जिम्नास्टिक एवं बॉक्सिंग के 3-3, भारोत्तोलन के 2, साईक्लिंग, क्रिकेट, टेनिस के 2-2, तैराकी के 5, बैडमिन्टन के 5, खो-खो के 5, शूटिंग के 10, टेबल टेनिस के 4, घुड़सवारी के 5, क्याकिंग एण्ड कैनोइंग के 3, वूशू, योगा और मलखम्भ के 2-2 प्रशिक्षको की नियुक्ति की जायेगी।

प्रशिक्षको की नियुक्ति लिखित परीक्षा और स्किल व फिटनेस टेस्ट के आधार पर की जायेगा। 100 अंको का जनरल नॉलेज का पेपर होगा, जिसमे जियोग्राफी, इतिहास, कल्चरल, करंट अफेयर्स आदि का पेपर होगा और दूसरा पेपर स्पोट्र्स एजूकेशन का पेपर होगा। दोनो पेपर 100-100 नम्बर के होंगे। इसके बाद खेल परिषद् द्वारा प्रशिक्षको का स्किल व फिटनेस टेस्ट लिया जायेगा। यह फिटनेस टेस्ट भी 100 नम्बर का होगा, जबकि प्रशिक्षको की उपलब्धियो के आधार पर ही 50 नम्बर तय किये गये है। तद्पश्चात् ही वे प्रशिक्षक के पद पर चयन के पात्र होंगे। फिटनेस टेस्ट सेना और बाहर के अन्तर्राष्ट्रीय खिलाडियों द्वारा स्किल व फिटनेस टेस्ट लिया जायेगा।

डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि इनमें कुछ और भी खेलों को जोडा जाना सम्भव है। इस संबंध में बातचीत की जा रही है। फाईनल होना बाकी है। उन्होने बताया कि खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की तैयारियों के संबंध में कहा कि शीघ्र ही खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सवाई मानसिंह स्टेडियम व पूर्णमा यूनिवर्सिटी आदि स्थानों का दौरा करेगें और इन खेलों के लिए सुविधाओं का जायजा लेगें।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, खेल मंत्री, राजस्थान सरकार ने बताया भर्तियों में निष्पक्षता व पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए तृतीय श्रेणी प्रशिक्षकों की भर्ती को लेकर पहली बार इस भर्ती का आयोजन राजस्थान राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से करवाया जा रहा है। लिखित परीक्षा, खेल कौशल, खेल उपलब्धि व अनुभव को वरीयता प्रदान करते हुए योग्य प्रशिक्षकों की भर्ती हो, ऐसा सरकार का प्रयास है।

एआईएफएफ ने बनाया खालिद मजील को भारतीय टीम का मुख्य कोच

नई दिल्ली, 1 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति (ईसी) ने खालिद जमील को सीनियर पुरुष भारतीय राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। महासंघ की तकनीकी समिति की सिफारिश पर आज बुलाई गई वर्चुअल बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद खालिद जमील को सीनियर पुरुष भारतीय राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच बनाये जाने का फैसला लिया गया। बैठक में एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे, उपाध्यक्ष एनए हारिस, कोषाध्यक्ष किपा अजय, कार्यकारी और तकनीकी समितियों के सदस्यों, दोनों द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच बिमल घोष और अरमांडो कोलासो और ध्यानचंद पुरस्कार विजेता शब्बीर अली की उपस्थिति में, एआईएफएफ के तकनीकी निदेशक सैयद साबिर पाशा और राष्ट्रीय टीम के निदेशक सुब्रत पॉल ने राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के चयन के लिए खालिद जमील, स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविच के नामों का प्रस्ताव रखा। इस दौरान हुई चर्चा में सदस्यों ने तीनों नामों पर विचार करने के बाद लगातार दो बार में एआईएफएफ के पुरुष कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित खालिद जमील को बहुमत के आधार पर कोच बनाया गया। भारत को इस महीने के आखिर में सीएएफए नेशंस कप 2025 में भाग लेना है, जिसके बाद अक्टूबर में सिंगापुर के खिलाफ लगातार दो एएफसी एशियन कप फाइनल राउंड क्वालीफायर मैच खेलने हैं।

खेल परिषद के क्रिकेट अकादमी में कंटीली झाड़ियों का अंबार, सुविधा के नाम पर जीरो

जयपुर, 1 अगस्त। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद क्रिकेट मैदान की हालत बहुत ही ज्यादा खराब है कि इस बरसात के मौसम में भी क्रिकेट अकादमी में आने वाले क्रिकेट प्रेक्टिस करने वाले छोटे बच्चों को कंटीली झाड़ियों में से होकर गुजरना पड़ता है। पहले खिलाड़ियों को कहा जाता था कि ''कम एंड प्ले '' अब कहा जाता है ''पे एंड प्ले''। इसके बावजूद राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद क्रिकेट मैदान को देखकर लगता ही नहीं है कि यह मैदान क्रिकेट प्रेक्टिस करने वाली अकादमी का है। मैदान के अंदर ओर मैदान के बाहर बढ़े हुए पेड़, हर तरफ़ कचरा बिखरा हुआ पड़ा हुआ है। मैदान में प्रेक्टिस करने आने वाले खिलाड़ियों के पैरों पर कंटीले झाड़ लगते हैं। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा शॉट लगाया जाता है तो फील्डर को गेंद वापस लेकर आने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक तो गेंद झाड़ियों में दिखती नहीं है। न मैदान की घास कटी हुई है और ना ही बरसात का पानी निकालने का कोई इंतेज़ाम है साथ ही नेट फटे हुए हैं। पूरे अकादमी का हाल बेहाल पड़ा हुआ है। इन सभी परेशानियों को देखकर भी किसी अधिकारी, कर्मचारी, कोच ओर ग्राउंड स्टाफ ने ध्यान देने की जरूरत महसूस नहीं की।

हेनरी के कहर से न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को पहले टेस्ट में नौ विकेट से पीटा

बुलावायो, 1 अगस्त। मैट हेनरी (कुल नौ विकेट) और मिचेल सैंटनर (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। जिम्बाब्वे ने दूसरी पारी में कल के दो विकेट पर 31 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज मैच के तीसरे दिन सुबह के सत्र में विलियम ओरूर्क ने निक वेल्च (चार) और विनसेंट मसेकेसा (दो) को आउटकर जिम्बाब्वे पर दबाव बनाने का प्रयास किया। लेकिन इसके शॉन विलियम्स और कप्तान क्रेग इरविन ने संभलकर खेलते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई। मिचेल सैंटनर ने शॉन विलियम्स को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। शॉन विलियम्स ने 66 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 49 रनों की पारी खेली। इसके बाद मैट हेनरी ने क्रेग इरविन (53 गेंदों में 22 रन) और सिकंदर रजा (पांच) को अपना शिकार बना लिया। न्यूमैन न्यामहुरी (एक), ब्लेसिंग मुजारबानी (19) और टी तिसगा (27) को आउटकर जिम्बाब्वे को 67.1 ओवर में 165 के स्कोर पर समेट दिया। न्यूजीलैंड को जीत के लिए आठ रनों का लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड के लिए मिचेल सैंटनर ने चार विकेट लिये।

मुंबई वानखेड़े स्टेडियम में विराट-धोनी और रोहित के साथ दिखेंगे लियोनेल मेसी

मुंबई, 1 अगस्त। फुटबॉल की दुनिया का बादशाह और अर्जेंटीना के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान लियोनेल मेसी 14 साल लंबे अंतराल के बाद भारत दौरे पर आ रहे हैं। 13 से 15 दिसंबर के बीच अपने तीन दिन के भारत दौरे पर मेसी कोलकाता, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे।मेसी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर सम्मानित किया जाएगा। अपनी यात्रा के दौरान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मेसी भारत के स्टार क्रिकेट खिलाड़ियो के साथ वानखेड़े स्टेडियम में क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने वाले क्रिकेट मैच में मेसी के साथ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा और एम एस धोनी जैसे भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। सात-साथ खिलाड़ियों वाली टीमों के बीच खेले जाने वाले मुकाबले में दर्शकों मेसी की ड्रिब्लिंग की जगह क्रिकेट का क्लास देखने का मौका मिलेगा। ये भारतीय क्रिकेट और फुटबॉल फैंस के लिए एक अनोखा नजारा होगा। एमसीएके एक अधिकारी ने बताया कि, मेसी 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। संभावना है कि व पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों के साथ एक क्रिकेट मैच भी खेलेंगे। आयोजक जल्द ही सभी औपचारिकताओं के फाइनल होने के बाद पूरा शेड्यूल जारी करेंगे। मेसी इससे पहले साल 2011 में भारत आए थे। उन्होंने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ फ्रेंडली मैच खेला था। 14 साल बाद मेसी भारत आ रहे हैं तो उनके फैंस बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे हैं।

यूएई, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच टी-20 अंतर्राष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला 29 से

कराची, 1 अगस्त। पाकिस्तान इस महीने के अंत में 29 अगस्त से शारजाह में शुरू होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला में अफगानिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात से भिड़ेगा। यह टूर्नामेंट सितंबर में एशिया कप से पहले होगा, क्योंकि उपमहाद्वीप की टीमें अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी कर रही हैं। शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान का सामना पिछले साल के टी20 विश्व कप सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान से होगा। तीनों टीमें दो-दो बार आमने-सामने होंगी, और शीर्ष दो टीमें 7 सितंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगी। दोनों टीमें शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पांच बार एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुकी हैं, जिसमें पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को तीन बार हराया है, जबकि अफगानिस्तान दो बार विजयी रहा है। पाकिस्तान इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेल रहा है। उसे पिछली सीरीज में बांग्लादेश से 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच, अफगानिस्तान ने आखिरी बार दिसंबर में टी20 अंतरराष्ट्रीय में हिस्सा लिया था, जब उसने जिम्बाब्वे को तीन मैचों की श्रृंखला में 2-1 से हराया था। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएई भी मई में बांग्लादेश के खिलाफ यादगार टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीत के बाद इस टूर्नामेंट में शामिल हो रहा है।

राजस्थान राज्य सब जूनियर बालिका फुटबॉल चैम्पियनशिप

बीकानेर, झुंझुनूं, नागौर और जयपुर ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

जयपुर, 1 अगस्त। आज राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम पर राजस्थान राज्य सब जूनियर गर्ल्स फुटबॉल प्रतियोगिता आरंभ हुई। संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि टूर्नामेंट में राजस्थान की नो टीमें भाग ले रही है आज खेले गए प्रीक्वार्टर मुकाबले में झुंझुनू ने जोधपुर को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। एकमात्र प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में झुंझुनूं ने जोधपुर को 11- 0 से पराजित किया मनीषा 2 गोल, दीपिका 1 गोल, अपर्णा 4 गोल, रिया ने 4 गोल, किये । पहला क्वार्टर: फाइनल मैच मुकाबला में बीकानेर ओर भीलवाड़ा मध्य मैच था पर भीलवाड़ा टीम नहीं आने से बीकानेर को वॉक ओवर मिला। दूसरा क्वार्टर: फाइनल मैच में झुंझुनू ने हनुमानगढ़ को 10-0 पराजित किया। झुंझुनूं की तरफ से रिया 6 गोल , अर्पणा 4 गोल, किए । तीसरे क्वार्टर : फाइनल मैच में नागौर ने अजमेर को 3 - 1 से पराजित किया राधिका, अनुराधा, रुचिका, ने एक एक गोल किए अजमेर की तरफ से कोमल ने एकमात्र गोल किया। आज सेमीफाइनल में बीकानेर का मुकाबला झुंझुनू से और नागौर का मुकाबला जयपुर से होगा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन सुबह सेमीफाइनल और शाम को 4 बजे फाइनल मैच खेला जाएगा।

जयपुर ने गत विजेता श्रीगंगानगर को हराया

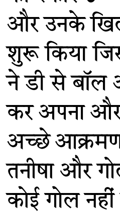

राजस्थान राज्य सब जूनियर गर्ल्स फुटबॉल प्रतियोगिता के आज खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जयपुर की टक्कर गत विजेता श्रीगंगानगर से हुई। दोनों ही टीमों ने मैच के प्रारंभ होते ही एक दूसरे पर हमले करना शुरू कर दिया। जहां गंगानगर की टीम पावर गेम से खेल रही थी वहीं जयपुर की टीम ने स्किलफुल गेम खेला। फर्स्ट हॉफ में मैच के 30 वे मिनट में जयपुर ने गंगानगर की टीम पर जोरदार हमला किया और डी में गंगानगर की डिफेंडर के हाथ लगने से जयपुर को पेनल्टी मिली लेकिन इस अहम मौके पर जयपुर की फॉरवर्ड के शॉट को श्रीगंगानगर की गोलकीपर ने शानदार तरीके से रोक कर अपनी टीम पर जयपुर को बढ़त लेने से रोक लिया। मध्यांतर तक दोनों टीमों का स्कोर 0 - 0 रहा। मध्यांतर के बाद जयपुर ने और भी सधी फुटबॉल खेली और उनके खिलाड़ियों ने छोटे-छोटे पास बनाकर गंगानगर टीम पर दबाव बनाना शुरू किया जिसके फलस्वरूप मैच के 72 मिनट में जयपुर की फारवर्ड वेदांशी ने डी से बॉल अपने कब्जे में लेते हुए एकांकी प्रयास से शानदार मैदानी गोल मार कर अपना और टीम का पहला गोल किया। जवाब में श्रीगंगानगर की टीम ने कुछ अच्छे आक्रमण किये लेकिन जयपुर की मजबूत रक्षा पंक्ति जिसमें डिफेंडर कप्तान तनीषा और गोलकीपर पायल यादव ने अहम योगदान दिया और विपक्षी टीम को कोई गोल नहीं करने दिया। अंत में मैच जयपुर ने 1 - 0 के स्कोर से जीत लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को प्रदेश के प्रमुख शहरों एवं जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को वर्तमान ट्रैफिक स्थिति को सुगम एवं सुचारू बनाने के निर्देश दिए।

जयपुर के प्रमुख चौराहों को सिग्नल फ्री करने की योजना बनायें

मुख्यमंत्री भजनलाल ने राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था पर बैठक में निर्देश दिये

जयपुर, 1 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर शहर की वर्तमान ट्रैफिक व्यवस्था को तुरंत सुगम एवं सुचारू बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि यातायात संचालन हेतु भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत दीर्घकालीन कार्ययोजना के लिए गृह एवं यातायात विभाग, जेडीए, शहरी विकास एवं आवासन व स्वायत्त शासन विभाग मिलकर सामूहिक जिम्मेदारी के साथ काम करें।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों व आमजन से सुझाव लेकर वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था विकसित करें। मानसून के बाद हीरापुरा बस टर्मीनल से बसों का संचालन किया जाए।**

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के प्रमुख शहरों एवं जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने पुलिस एवं यातायात के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को जागरूक करते हुए ट्रैफिक सेंस को बढ़ावा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में जयपुर शहर में वाहनों के सुगम संचालन और जाम से राहत के लिए व्यापारियों एवं आमजन से सुझाव लेकर व्यस्ततम मार्गों पर वन वे टैफिक संचालन की व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर के चिन्हित ऑटो और बस स्टैण्ड के स्थानांतरण को शीघ्र लागू किया जाए। इसी क्रम में हीरापुरा बस टर्मिनल से मानसून के तुरंत बाद बसों का संचालन किया जाए। मुख्यमंत्री ने यातायात नियमों की सख्त पालना कराने और उल्लंघन पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, कहा कि वाहनों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए भविष्य में प्रमुख चौराहों को चिन्हित कर सिग्नल फ्री ट्रैफिक संचालन की कार्ययोजना बनाएं। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ट्रंप को जवाब -भारत अमेरिका से एफ-35 लड़ाकू विमान नहीं खरीदेगा

वाइट हाउस में फरवरी 2025 में ट्रंप ने मोदी से ये विमान खरीदने की पेशकश की थी

नई दिल्ली, 1 अगस्त। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर लगातार चर्चा जारी है। हालांकि, इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। हालांकि, इस बीच भारत की ओर से भी बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान को खरीदने से इनकार कर दिया है।

- **रिपोर्ट के अनुसार भारत घरेलू स्तर पर रक्षा उपकरणों के संयुक्त डिज़ाइन और निर्माण पर केन्द्रित पार्टनरशिप में ज्यादा रुचि रखता है। भारत की ओर से अब तक ट्रंप की पेशकश का जवाब नहीं दिया गया।**

ब्लूमबर्ग ने अधिकारियों के हवाले से जारी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिकी प्रोडक्ट्स की खरीद में तेजी लाने पर विचार करने के बावजूद, भारत सरकार द्वारा अमेरिका से एडिशनल डिफेंस प्रोडक्ट्स खरीदने की संभावना नहीं है। ब्लूमबर्ग की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अमेरिका को सूचित कर दिया है कि वह एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक नहीं है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी 2025 में अमेरिका की यात्रा की थी और व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी।

इस दौरान ट्रंप ने भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की पेशकश की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया है कि भारत सरकार घरेलू स्तर पर रक्षा उपकरणों के संयुक्त डिजाइन और निर्माण पर केंद्रित पार्टनरशिप में ज्यादा रुचि रखती है। भारत के रक्षा मंत्रालय ने अब तक इस बारे में जवाब नहीं दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत से आयातित उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। ट्रंप ने रूस से आयात करने के लिए भारत पर दंडात्मक उपाय के तौर पर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की, यह 25 प्रतिशत शुल्क से अलग होगा। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ने भारत के साथ अपेक्षाकृत 'कम व्यापार' किया है, क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने आगे कहा- "भारत ने हमेशा अपने सैन्य उपकरणों का बड़ा हिस्सा रूस से खरीदा है, और चीन के साथ रूस के ऊर्जा के सबसे बड़े खरीदार हैं, जबकि हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन में हत्याएं बंद करे।"

'दिल्ली में अब कोई झुग्गी नहीं हटेगी'

नयी दिल्ली, 01 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि राजधानी में अब कोई भी झुग्गियां नहीं हटायी जायेंगी और इसके लिए रेलवे तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सहित सभी सरकारी विभागों को निर्देश जारी किए गए हैं। गुप्ता ने कहा कि अगर विकास कार्य आदि को लेकर झुग्गी हटाई भी जाती है, तो उन्हें पहले वैकल्पिक आवास दिया जाएगा। राजधानी के बाहरी इलाकों में सालों पहले बने करीब 50 हजार मकानों को संवारकर उन्हें झुग्गी वालों को देने का निर्णय कर लिया गया है। उनका कहना है कि जरूरत पड़ी तो सरकार झुग्गी बस्तियों पर बनी नीति में बदलाव करेगी और झुग्गी वालों का आवास बचाने के लिए कोर्ट भी जाएगी। उन्होंने कहा , दिल्ली में बसी झुग्गियां देश की राजधानी का एक अनिवार्य अंग हैं। इनका दिल्ली में वर्षों से निवास हैं। विपक्षी पार्टी ने हमेशा से ही झुग्गी वालों को वोट बैंक की राजनिति में फंसाए रखा है, लेकिन हमारी सरकार उनको सही मायनों में दिल्ली का निवासी बनाने के लिए लगातार गंभीर प्रयास कर रही है।

बिहार की पूर्व मतदान सूची में 22 लाख मृत पाये गये

पटना, 01 अगस्त। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बिहार में चलाये गये विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत आज मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया गया, जिसके अनुसार पूर्व में सूची में जुड़े 22 लाख मतदाता मृत पाये गये।

निर्वाचन आयोग की ओर से जारी विज्ञप्ति में जानकारी दी गयी कि बीएलओ की सहायता से कराये गये सर्वेक्षण में 22 लाख, 34 हजार (2.83 प्रतिशत) मतदाता मृत पाये गये, 36 लाख, 28 हजार (4.59 प्रतिशत) मतदाता स्थानांतरित हो चुके थे, सात लाख, एक हजार (0.89 प्रतिशत) मतदाताओं के नाम अन्य स्थानों पर भी पंजीकृत पाये गये।

निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस अभियान के तहत राज्य भर में बीएलओ के माध्यम से कुल सात करोड़, 89 लाख, 69 हजार, 844 गणना प्रपत्र मुद्रित करा कर संबंधित मतदाताओं के बीच वितरित किये गए थे। इनमें से 16 लाख से अधिक आवेदन ऑनलाइन माध्यम से किये गये।

ईडी ने अनिल अंबानी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया

उन्हें 17000 करोड़ के लोन फ्रॉड व मनी लॉण्डरिंग के मामले में 5 अगस्त को पूछताछ के लिये बुलाया

नई दिल्ली, 1 अगस्त। अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) के चेयरमैन के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। इसका सीधा मतलब है कि उन पर देश छोड़ने पर रोक लगा दी गई है।

ईडी ने उन्हें 17,000 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 5 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था। यह कार्यवाही मुंबई और अन्य शहरों में एडीएजी की कंपनियों से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर ईडी की ओर से की गई छापेमारी के बाद हुई है। ईडी की जांच मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की गई है। जांच वित्तीय अनियमितताओं और लोन के गलत इस्तेमाल के एक जटिल नेटवर्क पर केन्द्रित है।

- **लुकआउट नोटिस तब जारी किया जाता है, जब जांच एजेन्सी को लगता है कि आरोपी व्यक्ति देश छोड़कर भाग सकता है या जांच में सहयोग नहीं कर रहा है।**

17,000 करोड़ रुपये के कर्ज धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करना और यात्रा प्रतिबंध लगाना, यह दर्शाता है कि जांच एजेंसी इस मामले को कितनी गंभीरता से ले रही है। अनिल अंबानी के खिलाफ एलओसी जारी करना सामान्य कदम नहीं है। यह तब किया जाता है, जब जांच एजेंसी को लगता है कि आरोपी व्यक्ति देश छोड़कर भाग सकता है या जांच में सहयोग नहीं कर रहा है।

इस कदम से सभी हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर अलर्ट जारी हो गया है। इससे अनिल अंबानी की विदेश यात्राओं पर रोक लग गई है। यह एक साफ संकेत है कि ईडी इस मामले की तह तक जाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। वह अनिल अंबानी की उपस्थिति को सुनिश्चित करना चाहती है।

अधिकारियों का कहना है कि यह जांच सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर और सेबी जैसे अन्य नियामक निकायों की रिपोर्ट पर आधारित है। ईडी की जांच में लोन के गलत इस्तेमाल के आरोपों पर ध्यान दिया जा रहा है। विशेष रूप से, 2017 और 2019 के बीच यस बैंक की ओर से अंबानी की ग्रुप कंपनियों को दिए गए 3,000 करोड़ रुपये के लोन पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

जांचकर्ताओं ने कई अनियमितताओं की बात कही है। इसमें बैकडेटेड क्रेडिट अप्रूवल, उचित जांच की कमी और विभिन्न ग्रुपों और शेल कंपनियों के फंड का गलत इस्तेमाल शामिल है।

शाहरुख खान, विक्रांत मैसी व रानी मुखर्जी को राष्ट्रीय पुरस्कार

दिल्ली में 71 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की घोषणा

शाहरूख खान

विक्रांत मैसी

रानी मुखर्जी

नयी दिल्ली , 01 अगस्त। किंग खान के नाम से मशहूर शाहरूख खान और अभिनेता विक्रांत मैसी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता तथा रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

राजधानी दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में शुक्रवार को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा की गई। शाहरुख खान और विक्रांत मैसी को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। शाहरुख को उनकी फिल्म जवान और विक्रांत को 12वीं फेल के लिए अवॉर्ड मिला है। रानी मुखर्जी को फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। फिल्म 'कटहल' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म के लिये चुना गया है।

करण जौहर की 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को संपूर्ण मनोरंजन के लिए सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। विधु विनोद चोपड़ा निर्देशित '12वीं फेल' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म चुना गया, जबकि 'द केरला स्टोरी' के लिए सुदीप्तो सेन ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवॉर्ड अपने नाम किया।

सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया। 'सैम बहादुर' को वेशभूषा और मेकअप के लिए भी सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी का पुरस्कार रॉकी और रॉनी की प्रेम कहानी (हिंदी) के लिये कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट को मिला।

- **शाहरुख खान को फिल्म "जवान" तथा मैसी को "12 वीं फेल" के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया है। रानी मुखर्जी को "मिसेज़ चटर्जी वर्सेज़ नॉर्वे" के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया है।**

फ्लॉवरिंग मैन को सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म का पुरस्कार; गॉड वल्चर एंड ह्यूमन को सर्वश्रेष्ठ वृत्तिचत्र का पुरस्कार मिला । विजयराघवन और मुथुपेट्टई सोमू भास्कर ने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता तथा उर्वशी और जानकी बोडीवाला ने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। हनु-मान को (एनिमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का पुरस्कार गिद्ध द स्कैवेंजर को मिला।

कोर्ट ने पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को रेप का दोषी माना

बैंगलुरु की विशेष अदालत में शनिवार को सजा सुनाई जायेगी

मैसूरु, 1 अगस्त। बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को जनता दल (सेक्युलर) के नेता और पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को रेप के मामले में दोषी ठहराया गया है। यह मामला हासन जिले के होलेनरसिपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दर्ज पहला रेप केस था। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यह केस काफी चर्चा में रहा था। अब इस मामले में सजा का ऐलान शनिवार को होना है। बेंगलुरु की विशेष अदालत में इस मामले की सुनवाई हो रही है।

- **प्रज्वल रेवन्ना जनतादल (सैक्यूलर) के नेता हैं तथा हासन लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद हैं। वे पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा के पौत्र तथा कर्नाटक के पूर्व मंत्री एच.डी. रेवन्ना के पुत्र हैं।**

बेंगलुरु स्थित एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने 18 जुलाई को बलात्कार मामले की सुनवाई पूरी कर ली थी तथा अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सजा का ऐलान अब शनिवार (2 अगस्त) को होना है। रेवन्ना पिछले साल दर्ज किए गए चार आपराधिक मामलों में मुख्य आरोपी हैं। जब 2,000 से अधिक अश्लील वीडियो क्लिप, जिनमें कथित तौर पर कई महिलाओं के यौन शोषण को दर्शाया गया था, सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। रेवन्ना के खिलाफ पहली शिकायत अप्रैल 2024 में एक महिला ने दर्ज कराई थी, जो उनके परिवार के फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। उसने रेवन्ना पर 2021 से बार-बार बलात्कार करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर दुर्व्यवहार के वीडियो जारी करने की धमकी देने का आरोप लगाया था।

'चाहे आप रिटायर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करना जारी रखने का आग्रह करता है। इन बयानों को नज़रअंदाज करना ही सबसे अच्छा है।"

मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी के खिलाफ प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि वे भारत विरोधी बयान दे रहे हैं, जो उन्हें विपक्ष के नेता के रूप में नहीं करना चाहिए।

राहुल गांधी अगले सप्ताह कर्नाटक के अपने दौरे पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेंगे, जहाँ उनसे चुनाव आयोग द्वारा वोट चोरी के संबंध में कुछ विस्फोटक खुलासे की उम्मीद है। इस सब का निशाना है बिहार में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण और वो तरीका, जिससे बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए को लाभ पहुंचाने के लिए लाखों मतदाताओं को सूचियों से हटा दिया गया है।

विपक्ष एसआईआर के मुद्दे को इसी सत्र में समाप्त कर देना चाहता है, ताकि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल जैसे अन्य चुनाव वाले राज्यों में भी ऐसा ही न करे।

लेकिन यह स्पष्ट है कि राहुल की स्पष्ट और सटीक बात, और नरेन्द्र मोदी की सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ आक्रामकता, मोदी और उनकी टीम के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है।

राज्यसभा में सीआईएसएफ कर्मियों की उपस्थिति का विरोध

नई दिल्ली, 1 अगस्त। विपक्ष ने राज्यसभा में विरोध प्रदर्शनों के दौरान सदन के बीचोंबीच केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों को भेजे जाने का आरोप लगाते हुए इसका कड़ा विरोध किया है और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरवंश को पत्र लिख कर यह मुद्दा उठाया है। खड़गे ने सभी विपक्षी दलों की ओर से लिखे पत्र में कहा है कि कल और आज सदन में सदस्य जब विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, उस दौरान दिखा कि सीआईएसएफ के कर्मी अंदर बीचोंबीच आ कर खड़े हो गये थे।

'एसटी वर्ग की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं कि कोई भी ऐसा कानून नहीं बनाया जा सकता, जो महिलाओं के खिलाफ भेदभाव पैदा करता हो। अनुच्छेद 14 महिलाओं के लिए समानता की गारंटी देता है।

याचिका में अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा और अधिवक्ता लखन शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता अपने पिता की इकलौती संतान है। उसने अपनी पैतृक संपत्ति में अपने अधिकारों की घोषणा के लिए उपखंड अधिकारी के समक्ष वाद दायर किया था। इस दौरान, प्रतिवादी ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, की धारा 2(2) के प्रावधानों के आधार पर सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत अर्जी पेश कर वाद खारिज करने की मांग की। प्रतिवादी ने कहा कि यह अधिनियम एससी वर्ग के सदस्यों पर लागू नहीं होता। इस अर्जी को एसडीओ ने खारिज कर दिया। इसके खिलाफ प्रतिवादी ने राजस्व मंडल में याचिका पेश की, जिसे मंडल ने गत 9 जून को स्वीकार कर लिया। बोर्ड ने माना कि याचिकाकर्ता मीणा समुदाय की सदस्य है और उसे पैतृक संपत्ति में उत्तराधिकार का कोई अधिकार नहीं है। ऐसे में एसडीओ के सम्मुख लंबित वाद खारिज हो गया। इसे याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि एसटी वर्ग की बेटियों के खिलाफ भेदभाव करना संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है और सुप्रीम कोर्ट भी इस संबंध में निर्देश दे चुका है।

1974 से चला आ रहा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, राज्य सरकार उस क्षेत्र में हस्तक्षेप न करें। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि 1969 में राज्य सरकार ने उक्त भूमि को पूरी तरह अवाप्त कर सवाईचक करने की कार्यवाही पुन: शुरू कर दी थी और इस दौरान त्रिलोकीनाथ ने किसी अदालत में पूरी जमीन का सवाईचक होने पर आपत्ति नहीं जताई।

विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि वर्ष 1990 में कई तथ्यों को छूपाते हुए और 1979 में दी गई आंशिक राहत का लाभ लेते हुए, मूल पक्षकार त्रिलोकीनाथ ने सिविल जज से एक आदेश अपने पक्ष में कर लिया, जिसके तहत उसे प्रति बीघा 40,000 रुपये तथा 30 प्रतिशत क्षतिपूर्ति और 15 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जाए। विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि इस आदेश से पूर्व किसी भी भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने त्रिलोकीनाथ को भूमि का मालिक नहीं माना था।

वहीं मूल पक्षकार त्रिलोकीनाथ के वंशजों की ओर से अदालत में बार बार कहा गया कि उनके पिता ने जमीन मूल जागीरदारों से खरीदी थी और जागीरदार ने ही उन्हें भूमि का स्वामित्व और पट्टा जारी किया था।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि टी. एन. साहनी केवल 1979 द्वारा दिये गये आंशिक अदालतीए राहत के बल पर उक्त जमीन पर मालिकाना हक का दावा कर रहे है। अदालत ने कहा कि 'राजस्थान टनेन्सी एक्ट, 1955' के लागू होने के बाद से मूल पक्षकार के द्वारा ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं दिखाया गया, जिससे उसे इस अधिनियम के तहत भूमि का कब्जादारी या कास्तकार होने का हक मिल सके। अदालत ने 1979 के आदेश में कही पर भी खातेदारी के अधिकार टी.एन. साहनी के पक्ष में नहीं दिए केवल आंशिक राहत देते हुए कहा था कि पक्षकार के कब्जे में जमीन पर राज्य सरकार कार्यवाही न करें।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि किसी भी भूमि अधिग्रहण अधिकारी के समक्ष त्रिलोकीनाथ ने उक्त भूमि पर अपना मालिकाना हक होने का दावा पेश नहीं किया और न ही किसी अदालत से उन्हें यह हक मिला। अदालत ने अपने आदेश पर कहा कि त्रिलोकीनाथ किसी भी तरह के मुआवजे के हकदार नहीं है और उन्होनें समय-समय पर धोखाधड़ी और तथ्य छुपाकर भूमि पर मालिकाना हक पाने की कोशिश करी है और जागीरदारी अधिनियम के हटने और राजस्थान टनेन्सी एक्ट के लागू होने से पूर्व एक नाबालिग जागीरदार की जमीन हथियाने की कोशिश करी है। उन्होंने कहा कि जो पट्टा उनके द्वारा पेश करा गया वह भी कानूनी तौर पर त्रुटियों से भरा हुआ है। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि टी.एन. साहनी कभी भी यह साबित नहीं कर पाए कि उन्होने उक्त भूमि पर किसान बनकर हल चलाया। अदालत ने कहा कि 1990 में दिये गये आदेश से जाहिर होता है कि अदालत ने भी त्रिलोकीनाथ द्वारा दिये गये तथ्यों को 'फेस वैल्यू' पर ही सही मान लिया और कभी भी भूमि अधिग्रहण अधिकारी को अदालत में नहीं बुलाया जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि उक्त भूमि कभी भी त्रिलोकीनाथ की नहीं थी। इसके साथ ही अदालत ने त्रिलोकीनाथ के वंशजों द्वारा मुआवजे की करोड़ों की मांग को भी खारिज कर दिया।

छात्रसंघ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मांगा। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को जवाब के लिए समय देते हुए प्रकरण की सुनवाई टाल दी।

याचिका में बताया कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक छात्र को अपना प्रतिनिधि चुनने का संवैधानिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने भी केरल विश्वविद्यालय के मामले में इसे मूलभूत अधिकार माना है। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि मूलभूत अधिकार को किसी कानून या कोर्ट आदेश से छीना नहीं जा सकता। वहीं, लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के तहत, हर साल छात्रसंघ चुनाव कराए जाने चाहिए। कमेटी की सिफारिश के अनुसार सत्र शुरु होने के छह से आठ सप्ताह के भीतर छात्रसंघ चुनाव होने चाहिए।

'अन्य देशों को अब अमेरिका की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का असली असर धीरे-धीरे सामने आएगा।

कुछ चीजें, जिनकी कीमतों पर लोग ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं, जैसे कि यूरोपीय वाइन, अब पहले से ज़्यादा महंगी हो जाएंगी, क्योंकि अमेरिका ने यूरोपीय वाइन को छूट वाली सूची में शामिल नहीं किया, जैसा कि फ्रांस, जर्मनी या इटली के बेहतरीन वाइन उत्पादक चाहते थे।

अमेरिका अपने उत्तरी पड़ोसी, कैनडा को सबसे अधिक सामान्य शुल्कों में से एक से दंडित करना चाहता है। अमेरिका ने कैनडा के निर्यात पर 35 प्रतिशत का शुल्क लगाया, क्योंकि कैनडा, अमेरिका की इच्छानुसार, एक समझौते को अंतिम रूप देने में विफल रहा।

मेक्सिको और चीन को फिलहाल इस मौजूदा दौर में छूट दी गई है, क्योंकि उन दोनों के साथ व्यापार वार्ता अभी चल रही है।

इसी तरह, सबसे प्रतिष्ठित वस्तुओं में से एक, स्विस घड़ियां, भी महंगी हो जाएंगी, क्योंकि स्विट्जरलैंड को सबसे अधिक शुल्क वाली श्रेणियों में रखा गया है। स्विस घड़ियों पर अमेरिका में प्रवेश के लिए 39 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। एक ब्रिटिश-आधारित कंपनी, जो यूके और यूएसए में स्विस घड़ियों का यह व्यापार संभालती है, का कहना है कि इससे मांग में कमी आएगी।

भारत को अपेक्षाकृत उच्च शुल्क श्रेणी (25 प्रतिशत) में रखा गया है। तथापि, यदि रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए डॉनल्ड ट्रम्प के दंडात्मक शुल्क भी साथ-साथ शुरू होते हैं, तो भारत को अमेरिकी बाजारों से बाहर निकाला जा सकता है।

भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात, (भारत इन वस्तुओं के सबसे बड़े सप्लायरों में एक है) पर अब 10 प्रतिशत के बजाय 25 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। ताइवान, जो दूसरा प्रमुख निर्यातक है, पर थोड़ी कम दर, यानी 20 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। भारत से कपड़ों, जूतों और एक्सेसरीज़ के निर्यात पर भी भारत के लिए निर्धारित 25 प्रतिशत का शुल्क लगेगा।

शुल्क के वास्तव में प्रभावी होने से पहले एक छोटी सी मोहलत अभी उपलब्ध है। अभी और अक्टूबर के बीच की गई सभी वर्तमान शिपमेंट को नए शुल्कों से छूट मिलेगी। हालांकि, यह एक छोटी सी मोहलत है, क्योंकि इन शिपमेंट को बहुत पहले से बुक किया जाता है, इसलिए इतनी कम अवधि में इनमें बहुत ज़्यादा इज़ाफा नहीं किया जा सकता।

कई देशों ने अब राहत और संतोष की भावना व्यक्त की है कि घोषित शुल्क कम से कम परेशानी वाले हैं। उदाहरण के लिए, बांग्लादेश पर 20 प्रतिशत का शुल्क लगाया जाएगा, जिसे वह एक जीत मानता है, क्योंकि पहले 41 प्रतिशत की कहीं अधिक दर घोषित की गई थी। शुल्क यह इस देश को इंडोनेशिया, पाकिस्तान या वियतनाम जैसे अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के साथ एक सापेक्ष समानता पर रखता है।

शुल्क का अंतिम प्रभाव संतुलित होगा। क्योंकि अमेरिका एक बहुत बड़ा बाज़ार है तथा निर्यातक, मांग पर शुल्क के प्रभाव की भरपाई के लिए अपनी अंतिम कीमत कम करने का विकल्प चुन सकते हैं।

हालांकि इसकी स्पष्ट सीमाएं हैं, क्योंकि वर्तमान स्थिति में भी, लाभ इतना बड़ा नहीं है कि कोई देश बाजार में हिस्सेदारी बनाए रखने के लिए शुल्क की सीमा तक कीमतें कम कर सके।

बेशक, चीन जैसे कुछ देश हैं, जो कमाई के लिए निर्यात की कीमतों में भारी कमी करने का विकल्प चुन सकते हैं। लेकिन यह लंबी अवधि में मदद नहीं करता है, सिवाय इसके कि प्रतिस्पर्धियों की कीमत पर बाजार में हिस्सेदारी बनाए रखी जाए या बढ़ाई जाए।

सोमवार, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और कोर्ट के गलियारों में काफी भीड़ होती है। इसका मुख्य कारण यह है कि इन दिनों इन स्थानों पर बड़ी संख्या में इन्टर्न्स होते हैं और वरिष्ठ वकीलों और नियमित प्रैक्टिशनरों को एक कोर्ट से दूसरे कोर्ट में जाने में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, कई मामलों में, इन्टर्न्स बार के सदस्यों द्वारा अनुरोध किए जाने पर भी अपनी सीटें खाली नहीं करते हैं, जिससे वकीलों को और असुविधा होती है।"

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908